दैनिक
समाचार व विज्ञापन छपवाने के लिए सम्पर्क करें:-01429-234937, 8209605490
EMAIL ID:-jaipurgulabitimes31@gmail.com

जयपुर गुलाबी टाइम्स

सच के साथ निर्भीक पत्रकारिता

RNI No. RAJHIN/56183/92

वर्ष: 30 अंक :380 जयपुर, शनिवार, 08 जनवरी 2022 मूल्य: ₹ 5.00 पेज: 8

सताने लगा लॉकडाउन का डर: मुंबई से फिर पलायन: पुलिस ने बरसाए डंडे

लॉकडाउन की आशंका

- लेकिन यूपी-बिहार के मजदूर रातभर स्टेशन पर डटे रहे; बोले- लॉकडाउन लगा तो यहां भूखे मर जाएंगे
- हिफाजत करने तैनात पुलिस डंडे बरसा रही

■ एंजेसी

मुंबई। कोरोना की पहली लहर में अचानक लॉकडाउन के बाद बड़े शहरों से घर लौटने वाले प्रवासियों की दिल दहला देने वाली तस्वीरें हम सबने देखी हैं। महामारी की तीसरी लहर में एक बार फिर ऐसा ही नजारा दिख रहा है। मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रवासी मजदूर डेरा जमाए हैं। यहीं से उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाली ज्यादातर ट्रेनें रवाना होती हैं। मुंबई के प्रवासियों में बड़ी संख्या इन्हीं इलाके के लोगों की है। रेलवे स्टेशन पर प्रवासियों को पुलिस के डंडे खाने पड़े, ट्रेन का टिकट भी नहीं मिला। इसके बावजूद वे वहां से नहीं हिले। वजह साफ थी.. अगर मुंबई में लॉकडाउन लग गया, तो वे भूखे मर जाएंगे। ऐसे में सबकी कोशिश है कि कैसे भी लॉकडाउन से पहले अपने गांव-अपने घर पहुंच जाएं। मुंबई में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 20 हजार से ज्यादा केस मिले हैं। ऐसे में लॉकडाउन की आशंका से प्रवासी और खासतौर पर मजदूर बेहद डरे हुए हैं। गुरुवार रात से ही मुंबई के लोकमान्य तिलक स्टेशन पर प्रवासियों की भीड़ उमड़ने लगी थी। तीसरी लहर में कैसे घर जाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं लोग, ये जानने के लिए रिपोर्टर गुरुवार रात 9 बजे से शुक्रवार सुबह 9 बजे तक उनके साथ रहे।

लॉकडाउन के डर से एक रात पहले ही स्टेशन पहुंचे लोग: मुंबई के लोकमान्य टर्मिनस पर गुरुवार रात 8 बजे से ही भीड़ बढ़ने लगी थी। इसमें ज्यादातर मजदूर वर्ग के लोग थे, जो शुक्रवार सुबह की ट्रेन के लिए लॉकडाउन के डर से देर रात ही स्टेशन पहुंच जाए थे। उनका कहना था कि यहां रुके तो भूखों मरने की नौबत आ जायेगी। ऐसे में यहां रहकर क्या करें?

सबको एक ही चिंता- लॉकडाउन में न फंस जाएं

लॉकडाउन के डर से प्रवासियों ने गुरुवार रात को ही रेलवे स्टेशन पर डेरा डाल दिया था।

सिर पर सामान लादकर ही स्टेशन पहुंच रहे लोग

हम गुरुवार रात 9 बजे से शुक्रवार सुबह 9 बजे तक लोकमान्य तिलक स्टेशन पर रहे। रात से भीड़ के बढ़ने का सिलसिला जो शुरू हुआ वो सुबह भी जारी रहा। धीरे धीरे रात को भीड़ बढ़ने लगी। सिर पर बोरा, बैग और अटैची, बाल्टी लिए मजदूर लोग लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचने लगे। ज्यादातर की ट्रेन सुबह 5.25 बजे या उसके बाद की थीं, लेकिन लोग लॉकडाउन की दहशत के बीच रात को ही स्टेशन पहुंच गए।

स्टेशन पहुंचे, तो पुलिस ने अंदर जाने से रोक दिया

स्टेशन के अंदर जाने लगे तो पुलिस ने अंदर नहीं जाने दिया। पुलिस ने उन्हें डंडे का जोर दिखाया और कहा, क्यों चले आते हो बिहार-युपी से, जब भागना ही होता है। बेबस लाचार मजदूर स्टेशन के सामने बैठ गए। ट्रेन सुबह थी। रात को पहुंचे तो चिंता टिकट की थी। टिकट किसी के पास नहीं। सभी ने प्लान किया की जनरल में चढ़ जाएंगे। टीसी आएगा तो चालान कटवा लेंगे। यही तय करके मजदूर प्लेटफॉर्म्स की तरफ बढ़े।

स्टेशन के बाहर भूखे-प्यासे रहकर रात गुजारी

जैसे जैसे रात बढ़ती गई लोकमान्य तिलक स्टेशन के बाहर क्क-बिहार के सैकड़ों लोगों का डेरा दिखाई देने लगा। भूखे-प्यासे सब इसी चिंता में थे की किसी तरह घर पहुंच जाए। कोई लेटा था, तो कोई बैठा था। सबकी बातों, चेहरों और आंखों में एक ही सवाल था- घर कब पहुचेंगे? इस असमंजस की उनके पास वजहें भी थीं। ज्यादातर मजदूरों के पास न टिकट था और न खाना।

एक्सप्रेस न्यूज

सीएसएमटी और कुर्ला रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी, जबलपुर से किया गया कॉल

■ एंजेसी

मुंबई । मुंबई रेलवे पुलिस को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल और कुर्ला रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। रेलवे पुलिस को यह धमकी एक कॉल के जरिए मिली है, जिसके बाद स्टेशन की चेकिंग की गई तो कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। जांच में पता चला है कि धमकी वाला कॉल जबलपुर से किया गया था। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

रेणु शर्मा को राजस्थान यूनिवर्सिटी से मिली पीएचडी की उपाधि

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी की ओर से रेणु शर्मा पुत्री श्री हजारीलाल शर्मा को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। इन्हें यह उपाधि 'रोल ऑफ पावर सेक्टर इन राजस्थान इकोनामी(ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ पब्लिक एंड प्राइवेट पावर सेक्टर कंपनी)' विषय पर शोध के लिए प्रदान की गई है। इन्होंने शोध कार्य प्रोफेसर कृष्णा गुप्ता के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा की लीडरशिप का कमाल

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल के आयुक्त पवन अरोड़ा ने बड़े-बड़े प्राइवेट सेक्टर के हाउसिंग प्रोजेक्ट पर भारी पड़ रहा है । राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के आवासीय आयुक्त ने कमाल किया है । कोरोना को देखते हुए भी दिसंबर माह में अर्जित किया 112 करोड़ों पर का राजस्व गत माह में बिक्री 458 संपत्तियां 22 प्रियम संपत्तियों के ई ऑक्शन से मिला 73 करोड़ 80 लाख रुपए का राजस्व आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने राजस्थान आवासन मंडल को अच्छी ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

शादी-समारोह में 100 लोगों की लिमिट

पाबंदियों की गाइडलाइन लागू: नाइट कर्फ्यू और मास्क पर सख्ती

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

जयपुर। प्रदेश में शुक्रवार से पाबंदियों की नई गाइडलाइन के प्रावधान लागू हो गए हैं। आज से सरकारी दफ्तरों में केवल 50 फीसदी कर्मचारियों को ही बुलाया गया है। बाकी कर्मचारी घर से काम करेंगे। नए प्रावधानों के अनुसार अब सरकारी दफ्तरों में 55 साल और इससे ज्यादा उम्र के कर्मचारियों और दिव्यांग कर्मचारियों को ऑफिस बुलाने पर पाबंदी लगा दी गई है। जयपुर-जोधपुर की शहरी सीमा में आठवीं तक के स्कूल पहले से ही बंद हैं। शादी और हर तरह के समारोह में 100 से ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकेंगे। नाइट कर्फ्यू और मास्क पर शुक्रवार से सख्ती शुरू हो गई है। नाइट कर्फ्यू रात 11 से सुबह 5 बजे तक ही रहेगा। शहरों में पुलिस के नाके लगाकर नाइट कर्फ्यू में बेवजह बाहर निकलने वालों के चालान और वाहन जब्त करने की कार्रवाई होगी। सार्वजनिक जगहों पर बिना मास्क नजर आने वाले लोगों पर जुर्माना लगाया जाएगा। सिटी बसों में खड़े होकर यात्रा नहीं कर सकेंगे।

पॉजिटिव पाए जाने पर 72 घंटे के लिए बंद होगा ऑफिस

वर्क प्लेस पर कोई भी कर्मचारी कोविड पॉजिटिव पाए जाने पर ऑफिस के उस चैंबर को 72 घंटे के लिए बंद किया जाएगा। कोविड पॉजिटिव के साथ काम करने वाले कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करना होगा। वहीं राज्य में सामाजिक, राजनीतिक से लेकर हर तरह के समारोह में अब 100 लोग ही शामिल हो सकेंगे। शादियों में 100 से ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकेंगे। बैंड वालों को 100 की लिमिट से अलग रखा गया है। अंतिम संस्कार में 20 लोगों की लिमिट तय की गई है। इससे ज्यादा लोग होने पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

जांच एजेंसियां अलर्ट: सतलुज में मिली पाकिस्तानी नाव

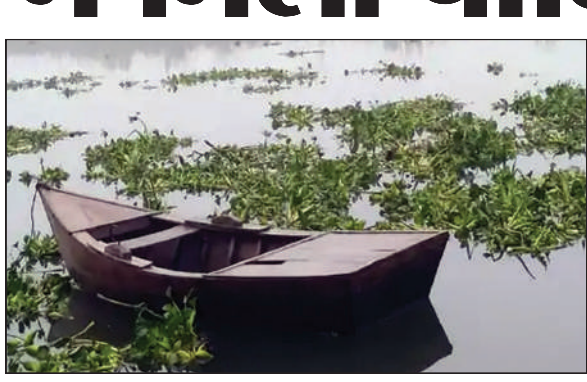

- जहां फंसा था मोदी का काफिला, वहां से महज 50 किमी दूर सतलुज में मिली संदिग्ध नाव

■ एंजेसी

चंडीगढ़। फिरोजपुर में सीमा सुरक्षा बल ने सतलुज नदी से एक पाकिस्तानी नाव बरामद की है। बरामदगी के वक्त यह नाव खाली थी। सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि यह नाव यहां कब आई, इसमें कौन लोग सवार थे और इसे यहां लाए जाने का मकसद क्या था। इस पाकिस्तानी नाव की बरामदगी इसलिए अहम है, क्योंकि दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला यहां फंसा था। उनकी सुरक्षा में चूक का मुद्दा राष्ट्रीय बहस का विषय बन चुका है।

सतलुज नदी हुसैनीवाला से पाकिस्तान में प्रवेश करती है, फिर इन जगहों पर जाती है

- गत्ती तेलू वाला मल, फिरोजपुर
- डोना तेलू मलवाला, फिरोजपुर
- गत्ती महमूदके हिथार, फिरोजपुर
- राजा राय, फिरोजपुर
- डोना मित्तर
- डोना बहादुरके, गुरु हरसहाय एरिया, फिरोजपुर
- वाले शाह हिथार, बग्गू हट्टी, फाजिल्का

बीएसएफ ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

सतलुज नदी में पाकिस्तानी बोट मिलने के बाद बीएसएफ ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। बीएसएफ की टीम आसपास के इलाकों को खंगालने में जुट गई है। यह पता लगाया जा रहा है कि कहीं कुछ लोग नाव में सवार होकर भारतीय सीमा में तो नहीं आए। हालांकि अभी तक कुछ हाथ नहीं लगा है।

राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास, सबको आवास

बुधवार नीलामी उत्सव

ई-बिड सबमिशन योजना के माध्यम से
जयपुर के प्रताप नगर और वीकेंड होम, नायला में स्थित

द्वारकापुरी अपार्टमेंट, प्रताप नगर (G+7 Flats)
मात्र 6 लाख रुपये में
1BHK फ्लैट (358 वर्गफीट)
(RERA No. RAJ/RERA/P/2018/793)
मात्र 581 फ्लैट शेष

प्रताप अपार्टमेंट प्रताप नगर (अल्प आय वर्ग) (S+10 Flats)
मात्र 8 लाख रुपये में
1BHK फ्लैट (560 वर्गफीट)
मात्र 75 फ्लैट शेष

वीकेंड होम नायला (LIG-डुप्लेक्स आवास)
मात्र 11.55 लाख रुपये में
लगभग 900 वर्गफीट पूर्ण निर्मित, रेडी-टू-शिफ्ट
(RERA No. RAJ/RERA/P/2018/722)
मात्र 465 शेष

में
भारी छूट पर आवास खरीदने का
सुनहरा मौका !
(सीमित समय के लिए उपलब्ध)

10% दीजिए गृह-प्रवेश कीजिए

156 आसान मासिक किश्तों में भुगतान

नियम एवं शर्तें लागू।

राजस्थान संवाद

ई-मित्र पर मात्र ₹ 100 देकर ई-बिड सबमिशन में भाग लें
(अपने ड्राइवर, चपरासी, घरेलू नौकर, धोबी या अन्य सहायकों को भी घर लेने के लिए प्रेरित करें।)

• योजना में पानी, बिजली, सड़क, सीवर, पार्क सहित मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था एवं ये आवास विवाद रहित है। • ई-बिड सबमिशन प्रत्येक सोमवार प्रात:10.00 बजे से बुधवार सायं 4.00 बजे तक, आवंटन प्रत्येक बुधवार सायं 4.30 बजे • जहां है जैसा है के आधार पर विक्रय • शनिवार/रविवार को आवास दिखाने की विशेष व्यवस्था • पार्किंग शुल्क, सोसायटी चार्जेज इत्यादि पृथक से देय

ऑनलाइन प्रस्ताव देने की प्रक्रिया के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें।

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरान्त: 9461054291/92/319 एवं 9460254319, शांतनु वार्ष्णेय (9983131666), पवन सोनी (8852000770) या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें

Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in

मास्क खुद पहनो, सभी को पहनाओ, कोरोना से जान बचाओ

छात्राओ ने सेल्फ डिफेंस पर अनोखा और आकर्षक फैशनशो आयोजित

जयपुर पुलिस निर्भया स्कॉव्यड की ओर से बियानी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप का किया समापन

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

जनवरी। विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज में जयपुर पुलिस निर्भया स्कॉव्यड की ओर से आयोजित 5 दिवसीय सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप का शुक्रवार को समापन हुआ। वर्कशाप की शुरूआत बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज के एकेडमिक डायरेक्टर डॉ संजय बियानी, डीसीपी हैडक्वार्टर अरशदअली, डीसीपी इन्चाज और निर्भया स्कॉव्यड इंचार्ज सुनीता मीणा और कॉलेज केडीन डॉ. ध्यानसिंह गोठवाल ने दीप प्रज्जवलन कर की।

इस अवसर पर डॉ. संजय बियानी ने कहा कि महिलाएं ही समाज को आगे लेकर जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। दया और करूणा में यह अंतर है कि दया बाहर की परिस्थितियों से आती है और करूणा अंदर से आती है। महिलओं में करूणा का अद्वितीय गुण होता है। कॉलेज में आयोजित यह 5 दिवसीय वर्कशॉप निश्चय ही छात्राओं के लिए प्रेरणा और आत्मविश्वास जगाने का काम करेगी। इस अवसर पर डीसीपी हैडक्वार्टर अरशदअली ने अपने जीवन के अनुभवों के बारे में बताते हुए कहा कि कभी भी किसी विपरीत परिस्थितियों से हमें घबराना नहीं चाहिए।

यह परिस्थितियां हमें मजबूत बनाने और हमारे आस-पास के लोगों का हमारे प्रतिप्रेम और विश्वास की परीक्षा लेने के लिए आती है। कार्यक्रम में छात्राओ ने सेल्फ डिफेंस पर अनोखा और आकर्षक फैशनशो आयोजित किया। साथ ही स्किट के माध्यम से महिलाओं की समाज में स्थिति और आधुनिक महिलाओं की निर्भयता को दर्शाया गया। इसी के साथ डीसीपी वेस्ट ऋचा तोमर ने लडकियों को अच्छे संस्कार और तरबीयत देने के साथ-साथ लडकों को तरबीयत पर भी ध्यान देने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में डीसीपी इन्चार्ज और निर्भया स्कॉव्यड इंचार्ज सुनीता मीणा ने कहा कि ना नारी कभी कमजोर थी, ना है और ना ही होगी। महिलाओं को कभी से डरना नहीं है, नाही अत्याचार सहना है। कार्यक्रम के अंत में गुब्बारे उडाकर वर्कशॉप का औपचारिक समापन किया गया।

NIFT में असिस्टेंट प्रोफेसर के 190 पदों पर निकली भर्ती

56,100 रुपए मिलेगी सैलरी, 31 जनवरी तक कर सकेंगे आवेदन

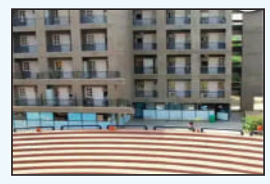

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

जयपुर। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के अधीन आने वाले नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी में बंपर भर्ती निकली है। NIFT के देशभर के कैंपस के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर के 190 पदों पर भर्ती की जाएगी। अभ्यर्थी 31 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा के माध्यम से होगा।

योग्यता: उम्मीदवारों को भर्ती से सम्बन्धित विषय/क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएट होना चाहिए। साथ ही सम्बन्धित विषय की टीचिंग या इंडस्ट्री का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव जरूरी है। हालांकि, पीएचडी किए उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम एक वर्ष का अनुभव मांगा गया है।

आयु सीमा: उम्मीदवारों की आयु 31 जनवरी 2022 को 40 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। हालांकि, आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयु सीमा में सरकार के नियमों के अनुसार छूट का प्रावधान है।

मीट-ग्राइंडर से निकला 28 लाख का सोना

फ्री टिकट और 15 हजार के लालच में शारजाह से लाया 6 गोल्ड बिस्किट

2 रिसीवर भी हिरासत में

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

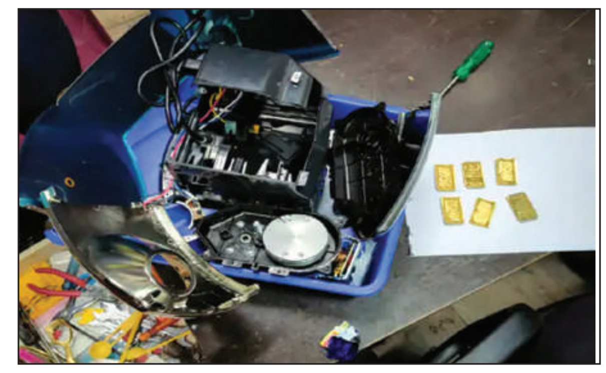

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की टीम ने गोल्ड तस्करी का मामला पकड़ा है। शारजाह से आए व्यक्ति के पास से कस्टम ने 581 ग्राम के 6 गोल्ड बिस्किट पकड़े। इनकी मार्केट वैल्यू 28 लाख 58 हजार रुपए से ज्यादा है। गोल्ड बिस्किट इलेक्ट्रिक मीट ग्राइंडर मशीन में छिपाए हुए थे। शुरुआती जांच में पता चला है कि पकड़े गए युवक को 15 हजार कैश और एयर टिकट का लालच देकर सोने की तस्करी करवाई गई थी। वहीं, कस्टम विभाग की टीम ने तस्करी करने वाले युवक के साथ उसे रिसीव करने वाले दो लोगों को भी हिरासत में ले लिया है। जिनसे पूछताछ जारी है। कस्टम कमिश्नर राहुल नांगरे ने बताया कि कार्रवाई असिस्टेंट कमिश्नर भारत भूषण अटल के नेतृत्व में की गई। आरोपी शारजाह से अलसुबह फ्लाइट से जयपुर पहुंचा था। इस दौरान एक्स रे मशीन से उसका लगेज चेक किया गया। संदिग्ध वस्तु दिखने पर जब युवक से पूछताछ की गई तो वह घबरा गया। उसके लगेज में रखी इलेक्ट्रॉनिक मीट ग्राइंडर मशीन खोल जांचा गया। जिसमें छोटे-छोटे ब्लैक बॉक्स में 6 सोने के बिस्किट रखे गए थे। कस्टम विभाग से छिपाने के लिए गोल्ड बिस्किट पर ब्लैक कार्बन प्लास्टिक की परत भी चढ़ाई गई थी। पकड़े गए युवक ने पूछताछ में बताया कि वह रियाद में मजदूरी करता है।

दुकान के शटर को गैस कटर से काटकर लाखों रुपए का सामान ले गए चोर

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

सांभरिया। कस्बे में कानोता रोड पर पानी की टंकी के पास शिव शक्ति टेडेर्स होलसैल एवं रिटैल की दुकान में गत रात्री अज्ञात चोरो ने गैस कटर से शटर काटकर लाखों रुपए का सामान चोरी कर ले गए। यहां गल्ले में रखी नगद राशि समेत लाखों रुपए का सामान पर हाथ साफ कर दिया। सूचना पर पहुंची शिवदासपुरा थाना पुलिस ने मौका मुआयना कर आरोपियों की तलाश में जुट गई। पीड़ित ने मामला दर्ज कराया है। जिसमे बताया कि देशी घी पीपे ,काजु पीपे,बादाम पीपे, स्पेशल बीडी के पिटारा समेत अन्य सामान पर हाथ साफ किया । वही गल्ले से नगद राशि भी ले गए।

राजकीय उप जिला चिकित्सालय बस्सी का मामला

चिरंजीवी शिविर में उड़ी शोसल डिस्टेंस की सरेआम धज्जियां

- कोरोना अभी गया नहीं, सावधानी जरूरी
- संवाददाता को देख, डॉक्टर एंव मरीजों ने लगाया मास्क
- शिविर में डॉ.अजय शर्मा सहित मरीज भी बिना मास्क के साथ नजर आये

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

बस्सी। प्रदेश भर में आमजन निरोगी रहे और उन्हें सुविधायुक्त उपचार की सुगम व्यवस्था हो। इसके लिए सरकार द्वारा चिरंजीवी स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। लेकिन यहां बस्सी के राजकीय उप जिला चिकित्सालय बस्सी में आयोजित चिरंजीवी स्वास्थ्य शिविर का माजरा कुछ अलग ही नजर आया। यहां शिविर में डॉ.अजय शर्मा सहित मरीज भी बिना मास्क के साथ नजर आये। शिविर में शोसल डिस्टेंस की भी सरेआम धज्जियां उड़ रही थी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे संवाददाता को देखते ही डॉक्टर अजय शर्मा ने तुरंत मास्क लगाया। फिर मरीजों ने भी तुरंत मास्क तो लगा लिया। लेकिन फिर भी वहां शोसल डिस्टेंस की सरेआम धज्जियां उड़ रही थी। लेकिन शिविर में जिम्मेदार प्रशासन ही मामले से अनभिज्ञ था।

सेवा कार्य के रूप में मनाया भीम सेना संस्थापक का 38 वां जन्मदिवस

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

सीकर । भीम सेना के संस्थापक व समाजसेवी अनिल तिड़दिया के 38 वें जन्मदिवस को सम्पूर्ण प्रदेश में एक सेवा कार्य दिवस के रूप में मनाया गया। प्रदेश के कई जिलों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया , मास्क वितरण किये गए , फुठपाथ पर जीवन यापन करने वाले लोगों को कम्बल विवरण किये गए तथा स्वेटर वितरित किये गए व मिठाइयां बांटी गई तथा पुरे प्रदेश में जगह जगह केक काटकर जन्मदिवस मनाया गया , शोषित, वंचित व पिड़ित वर्ग के साथ होने वाले अन्याय व अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए एक विशेष पहचान के रूप में अनिल तिड़दिया जाने जाते है ,यह अब तक स्वयं 31 बार रक्तदान कर चुके है तथा सैंकड़ो रक्तदान शिविरों का आयोजन करवा चुके है । जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव राजेन्द्र मेघवाल बापेऊ ,प्रदेश प्रभारी मोती मेघवाल तँवरा, प्रदेशाध्यक्ष रवि कुमार मेघवाल, राजेन्द्र कुमार वर्मा पूर्व सरपंच नेतड़वास , विधिक सलाहकार एड.अभिषेक माथुर , रजनीश महरिया सहित कई सामाजिक संस्थाओ के पदाधिकारियों ने बधाई व शुभकामनाए दी ।

समय, ऊर्जा व संसाधनों का सर्वश्रेष्ठ उपयोग है समय की मांग

मणिपाल यूनिवर्सिटी: इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन की तीन दिवसीय 103 वीं व 104 वीं एनुअल कॉन्फ्रेंस का समापन

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

जयपुर। वर्तमान परिदृश्य में हमें हमारे दृष्टिकोण, विचारों व आकांक्षाओं पर फिर से नजर डालने और इन्हें समय के अनुसार नवीनीकृत करने तथा वास्तविक स्थिति का आकलन करने की आवश्यकता है। समय, ऊर्जा एवं उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना वर्तमान समय की मांग है। हमें गुणवत्ता, सतत व सामूहिक विकास की दिशा में भी काम करना चाहिए। यह कहना था डॉ. भीमराव अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी के संस्थापक व कुलपति, प्रोफेसर देव स्वरूप का। वे आज मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर में इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन की तीन दिवसीय 103 वीं व 104 वीं एनुअल कॉन्फ्रेंस के समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। प्रो. स्वरूप ने कहा कि अर्थशास्त्र सभी सामाजिक एवं विकासात्मक प्रक्रियाओं का हिस्सा है। अर्थशास्त्र कानूनी शिक्षा में भी अहम भूमिका निभाता है। इस अवसर पर वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति, डॉ. आर. एल. गोदारा गेस्ट ऑफ ऑनर थे। उन्होंने कहा कि कृषि, सेवा एवं व्यापार देश की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण भाग हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए नवाचार और उद्यमिता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए. डी. एन. बाजपेयी ने कहा कि वर्तमान में पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है। ऐसे में अर्थशास्त्रियों को अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ-साथ विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर स्टारेक्स यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम के प्रोफेसर मदन मोहन गोयल द्वारा 'नीडोनॉमिक्स फॉर सस्टेनेबल सोसायटी' विषय पर प्रजेंटेशन दिया गया। इससे पूर्व एमयूजे के कुलपति, प्रोफेसर जी. के. प्रभु ने अपने स्वागत भाषण में तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस के सफल आयोजन के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों, इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन और एमयूजे की टीम का आभार व्यक्त किया। इस कॉन्फ्रेंस में कई महत्वपूर्ण आर्थिक विषयों पर चर्चा की गई।

कैच द रेन 2.0 के तहत विद्यालय में दीवार लेखन का किया आयोजन

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

दौसा। नेहरू युवा केंद्र दौसा (युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार) जिला युवा अधिकारी राकेश अलोरिया निर्देशानुसार ब्लॉक रामगढ़ पचवारा में ब्लॉक समन्वय सोहन लाल बैरवा के द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कल्लावास (दौसा) नेशनल वाटर मिशन (कैच द रेन 2.0)के तहत दीवार लेखन किया गया। विभिन्न स्लोगन के माध्यम से लोग जागरूक उपाय इसके लिए दीवारों पर स्लोगन लिखे गए 'जल है तो कल है जल के बिना सब निष्फल है' आओ बचाए वर्षा जल और सजाएं अपना कल विभिन्न स्लोगन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान शम्भु दयाल मीना एवम समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

दो छात्रों के कोरोना पोजिटिव आने पर राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल तीन दिन के लिए बंद

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

चाकसू । चाकसू उपखंड में लगातार कोरोना के मरीजों की संख्या (17) बढ़ने से प्रशासन शख्त हो गया है। चाकसू सीनियर सेकेंडरी स्कूल के दो बालकों कोरोना पोजिटिव पाए जाने पर प्रशासन ने सावधानी के रूप में स्कूल को तीन दिन बंद रखने की घोषणा की है। इसी के साथ पूरे स्कूल परिसर ,कक्षा कक्षों को सैनेटाइज करने एवं पार्जाटिव पाए गये बालकों के सम्पर्क में आने वाले लोगों को क्वारेंटाइन करने की तैयारी चल रही है। ब्लाक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सोम्य पंडित के अनुसार अनेक लोगों की जांच रिपोर्ट आना बाकी है। तीन लोग चाकसू कस्बे में , कोटखावदा शिवदासपुरा एवं बाडापदमपुरा एवं महादेव पुरा में14 लोगों की रिपोर्ट पोजिटिव आई है। प्रशासन ने सभी प्रभावित लोगों को होम कोरंटाइन कर सावधानी बरतने के लिए दिशा निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन की तरफ से घोषणा करवाई जा रही है कि लोग मास्क का प्रयोग करें। दूरी बनाए रखें। लेकिन प्रभावी कार्यवाही के अभाव में लोग इस आने वाली महामारी को गंभीरता से नहीं ले रहे।ब्लाक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सोम्य पंडित ने जानकारी देते हुए बताया के क्षेत्र के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में 15 से 18 आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं को कोरोना की प्रथम डोज लगाई जा रही है। साथ ही संदेहास्पद बालकों का आरटीपीसीआर (आरटीपीसीआर) सेम्पलिंग भी करवाया जा रहा है। रिपोर्ट आने पर ही पता चलता है कि कितने लोग कोरोना से पीड़ित हैं। हालांकि किसी भी पीड़ित व्यक्ति में कोरोना के कोई विशेष लक्षण नहीं आ रहे हैं।

इनरव्हील क्लब ने सर्दी से बचाव के लिए बच्चों को बांटी जर्सियां

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

दौसा। दौसा शहर की राजकीय प्राथमिक विद्यालय गणेशपुरा मैं इनरव्हील क्लब के तत्वाधान में 68 विद्यार्थियों को सर्दी से बचाव के लिए जर्सी वितरण की। बच्चों को जर्सी, टोपे, स्वेटर व मास्क आदि वितरण किए गए। स्वेटर व जर्सी वितरण के दौरान बच्चों को बहुत खुशी हुई ।कार्यक्रम के दौरान रेनू शर्मा ने कहा की समाजसेवियों को जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए आगे आना चाहिए वह शिक्षा के साथ संस्कार भी बहुत आवश्यक है साथ ही विद्यालय परिवार की ओर से इनरव्हील क्लब के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया । डॉक्टर शर्मिला अटोलिया ने कहा कि इस पुनीत कार्य करने का हमे अवसर मिला व प्रत्येक संपन्न व्यक्ति को अपने अपने तरीके से जरूरतमंदों की सेवा अवश्य करते रहना चाहिए। इस अवसर पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय प्रधानाध्यापक सुनीता मोरिया, पीईईओ खेडली रेनू शर्मा, इनरव्हील क्लब अध्यक्ष डॉक्टर शर्मिला अटोलिया, दौसा एसडीएम, गणेशपुरा सरपंच सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

बस्सी नगर पालिका सफाई कर्मियों की हड़ताल जारी

अधिशासी अधिकारी की ओर से सफाई कर्मियों को समझाइश करने का प्रयास

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

बस्सी । बस्सी नगरपालिका मजदूरी बढ़ाने व स्थाई कराने को लेकर सफाईकर्मियों ने एक माह से अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के समक्ष गुहार लगाई, बात नहीं बनते देख आखिरकार सफाई कर्मियों ने नगरपालिका के समक्ष टेंट लगाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया जिससे नगरपालिका क्षेत्र की सफाई चरमरा गई है। जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं तो इन ढेरों से दुर्गंध उठ रही है। दुर्गंध से नगर पालिका क्षेत्र के लोगों का जीना बेहाल हो गया है। इसके बावजूद कई बार सफाई कर्मियों ने जनप्रतिनिधियो को बताया सफाई कर्मियों की सुध लेने वाला नहीं है।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के बैनर तले सफाईकर्मी आगामी दिनों में आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी है। साथी ही साथ नगर पालिका कार्यालय के बाहर धरना स्थल पर बैठे सफाई कर्मियों से समझाइश करने के लिए अधिशासी अधिकारी अजय कुमार अरोड़ा नगर पालिका बस्सी ने शुक्रवार को धरना स्थल पर पहुंचकर कर हड़ताल कर रहे सफाई कर्मियों को समझाइश करने का प्रयास किया लेकिन सभी सफाई कर्मी अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे जिस पर नगर पालिका बस्सी के अधिशासी अधिकारी अजय कुमार अरोड़ा की समझाइश विफल रही।

अंबेडकर यूनिवर्सिटी का कार्य पूरा करना आरएसआरडीसी की प्राथमिकता : जातव

आरएसआरटीसी चेयरमैन पदभार पदभार ग्रहण करने पर बधाइयां

जयपुर गुलाबी टाइम्स

भुसावर। अंबेडकर यूनिवर्सिटी का कार्य पूरा कराने की आरएसआरडीसी की प्राथमिकता है! जिसे वह जल्द से जल्द पूरा कराएंगे , यह कहना है वैर भुसावर विधायक एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री भजन लाल जाटव का, जाटव राज्य सरकार की ओर से आरएसआरडीसी के चेयरमैन बनाए जाने के उपरांत पदभार ग्रहण पर अपना उद्बोधन दे रहे थे, जाटव ने कहा कि जनहित के जुड़े कार्यों को पूरा करने की प्राथमिकता के साथ सभी से चर्चा कर स्टेट हाईवे पर फास्टट्रैक को लेकर भी फैसला किया जाएगा स्टेट हाईवे को टोल मुक्त कराने के प्रश्न पर कहा कि पिछली सरकार ने चुनाव से मात्र 3 माह पूर्व लोकलुभावन घोषणा की थी पहले पूरी परिस्थितियां का अवलोकन करने के बाद किसी प्रकार का फैसला लिया जाएगा ! पदभार ग्रहण करने के अवसर पर भुसावर नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रकाश जाटव प्रतिनिधि प्रकाश चंद जाटव सहित क्षेत्र के अनेक लोगों ने नवीन कार्यालय पर पहुंचकर आरएसआरडीसी चेयरमैन भजन लाल जाटव का सम्मान किया जाटव के चेयरमैन बनाए जाने से क्षेत्र के कांग्रेश के विभिन्न संगठन कार्यकर्ताओं सहित पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मुकेश तिवारी, किसने अरोड़ा,संजीत जैमन, नवरंग मीणा राजेंद्र पांडे कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष महेश भैसीना बृजेश पथैना, महेश झारोटी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चंद्र प्रकाश अवस्थी खेमचंद जैन मैं ना पूरा पूर्व सरपंच सतीश चंद्र पांडे उप सरपंच प्रतिनिधि बृजेंद्र व्यास करण सैनी अशोक जोशी मनोज बाल्मीकि नगर पालिका पार्षद विवेक गोयल , सहित अनेक नागरिकों ने बधाइयाँ दी! सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव ने शुक्रवार को आरएसआरटीसी मेयरमैन के रूप में पद ग्रहण किया। श्री जाटव ने झालाना स्थित आरएसआरडीसी परिसर का दौरा किया और इस दौरान उन्होंने यहां किए जा रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक भी ली। राज्य की टोल नीति में नवाचार लाने के उद्देश्य से श्री जाटव ने स्टेट हाईवे को भी फास्टैग से जोड़ने का सुझाव अधिकारियों को दिया एवं तीन से चार प्रमुख राज्य राजमार्गों पर फास्टैग सुविधा को पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में चलाने स्तू निर्देश दिए। श्री जाटव ने कहा कि इस सुविधा से सामान्य जन के समय और ईधन दोनों की बचत होगी। जाटव ने कहा कि राजस्थान के इफा स्ट्रक्चर को विकसित करने और राज्य को विकास की अग्रणी श्रेणी में लाने हेतु पहली प्राथमिकता सड़क एवं भवन की प्रचालिटी होगी।

भाजपाइयों ने पंजाब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर जताया विरोध

जयपुर गुलाबी टाइम्स

भरतपुर । भरतपुर संभाग में पंजाब सरकार द्वारा बुधवार को प्रधानमंत्री की सभा व्यवस्था को सुचारू रूप से नहीं करने पर भाजपा द्वारा जगह-जगह विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं इसी श्रंखला में है भरतपुर संभाग के सवाई माधोपुर मुख्यालय पर गुरुवार को भाजपा सवाई माधोपुर के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं व आमजन की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया। जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष भरत लाल मथुरिया के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं गुलाब बाग स्थित गांधी जी की प्रतिमा पर एकत्रित होकर कांग्रेस समेत पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष भरत लाल मथुरिया ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा सोची समझी साजिश के तहत प्रधानमंत्री के काफिला को रोका गया। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। कहा कि जिस जगह पर प्रधानमंत्री के काफिले को रोका गया था उस जगह से पाकिस्तान सीमा दस किलोमीटर की दूरी पर थी। जरा सी भी चूक बहुत बड़ी घटना को आमंत्रण करना था। वे हमारे देश के प्रधानमंत्री है। विरोध करना एक अलग बात है पर प्रधानमंत्री के काफिले को रोकना बहुत बड़ी बात है। इस मौके पर पूर्व जिला महामंत्री देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री के काफिले को रोकना दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस हमेशा विकास विरोधी रही है।

नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को माला व मिठाई खिला कर स्वागत किया

जयपुर गुलाबी टाइम्स

बस्सी । जयपुर देहात दक्षिण के सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों द्वारा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष रामानंद गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष बृजेश लाटा, जिला मंत्री हरिमोहन शर्मा एवं सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बस्सी विधानसभा के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष रामफूल शर्मा व नरेंद्र पाटनी के द्वारा भी आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया। जिला मंत्री एडवोकेट हरिमोहन शर्मा द्वारा बताया गया कि नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों के द्वारा ढोल नगाड़ों के साथ एवं 21 किलो की माला एवं मिठाई खिलाकर प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया व जिला अध्यक्ष रामानंद गुर्जर का आभार व्यक्त किया। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी मंडल अध्यक्ष व कार्यकर्ताओं को पार्टी को मजबूत करने की नसीहत देते हुए कहा की 2023 में भाजपा की सरकार आ रही है सभी कार्यकर्ता मजबूती के साथ अपने क्षेत्र में काम करें।

जयपुर में हेयर स्टाइलिस्ट जावेद हबीब के खिलाफ शिकायत

एक शो में बाल काटते वक्त महिला के बालों में थूका था, कांग्रेस की पूर्व मेयर पहुंची थाने

जयपुर गुलाबी टाइम्स

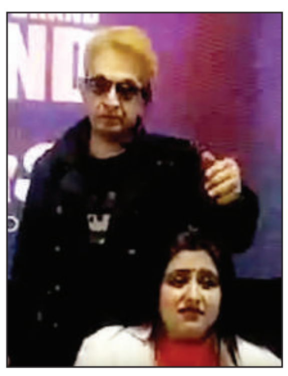

जयपुर। एक शो में बाल काटते वक्त महिला के बालों में थूकना मशहूर हेयर स्टाइलिस्ट जावेद हबीब को भारी पड़ रहा है। बालों में थूकने का वीडियो सामने आने के बाद जयपुर की पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल कोतवाली थाने पहुंची। उन्होंने जावेद हबीब के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। इससे पहले राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी संज्ञान लेते हुए दिल्ली के पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना को पत्र लिखा है और जावेद हबीब की इस हरकत के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने जावेद हबीब को एक नोटिस भी जारी किया है। कांग्रेस की ज्योति खंडेलवाल ने बताया कि वीडियो सामने के बाद उन्होंने कोतवाली थाने में शिकायत दी। उन्होंने बताया कि इस तरह की हरकत महिलाओं का अपमान है। थाना अधिकारी ओम प्रकाश मतवा ने बताया कि परिवाद के आधार पर शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक शो में मौजूद जावेद हबीब हेयर स्टाइल के गुर सिखाते हुए नजर आ रहे हैं। वे कुर्सी पर बैठी महिला के बालों को काटते हुए कह रहे है कि यदि आपने शैंपू नहीं किया है। आपके बाल गंदे है। पानी नहीं है तो यह कहते हुए महिला के बालों पर थूक देते है। फिर हंसते हुए कहते है कि इस थूक में जान है। इसके बाद शो में मौजूद महिलाओं में हंसी का ठहाका फूट पड़ता है। जानकारी के अनुसार जावेद ने जिस महिला के बालों पर थूका। वह भी एक ब्यूटी पार्लर संचालिका है और उत्तरप्रदेश में बागपत की रहने वाली है। यह वीडियो वायरल होने पर महिला को भी जावेद हबीब के द्वारा उनके बालों पर थूकने का पता चला। जिसका महिला ने विरोध जताया। इस बीच वीडियो वायरल होने से जावेद की मुश्किलें बढ़ गई। कई शहरों में जावेद की इस हरकत का सामाजिक संगठनों ने विरोध किया। इसे शर्मनाक बताया। वहीं, जयपुर में कांग्रेस की पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल शनिवार को कोतवाली थाने पहुंची।

कानोता यूको बैंक ने 79 वॉ स्थापना दिवस मनाया

जयपुर गुलाबी टाइम्स

कानोता। आगरा रोड़ स्थित देवराज मार्केट में यूको बैंक में गुरूवार को 79 वॉ स्थापना दिवस केक काटकर वह मैनेजर ममता मीणा ने व्यापारियों व उपभोक्ताओं का मीठा करवाकर बड़े धूमधाम के साथ यूको बैंक का जन्म दिवस मनाया गया । इस दौरान मैनेजर ममता मीणा ने विभिन्न प्रकार के योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि ग्राहक सीधा बैंक से आकर हमारे से सभी तरह के लोन के बारे में संपर्क कर जानकारी पा सकते हैं । इस दौरान या मौके पर मौजूद असिस्टेंट मैनेजर सुरेंद्र मीणा, कैलाश शर्मा सहित अनेक लोग बैंक में उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी की दीर्घायु की कामना को लेकर सवा लाख महामृत्युंजय जप का आयोजन

जयपुर गुलाबी टाइम्स

दौसा । बांदीकुई भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा नई अनाज मंडी के शिव मंदिर में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी की दीर्घायु की कामना को लेकर के भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा सवा लाख महामृत्युंजय जप का आयोजन किया गया । प्रकांड विद्वान पंडित अरुण त्रिवेदी के द्वारा शिव परिवार की पूजा अर्चना के बाद महामृत्युंजय जाप का शुभारंभ करवाया । सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से सवा लाख महामृत्युंजय जप का जाप किया तथा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घायु की कामना की तथा उन पर आने वाले हर संकट का भगवान हरण करे । कार्यकर्ताओं ने नरेंद्र मोदी जिंदाबाद तथा कांग्रेस सरकार मुर्दाबाद के नारे लगाकर पंजाब सरकार के द्वारा सुरक्षा चक्र में हुई भारी लापरवाही की भर्त्सना की । इसके साथ ही साथ में इस धार्मिक कार्यक्रम का समापन किया गया । कार्यक्रम के संयोजक जिला उपाध्यक्ष रवि कुमार पालीवाल थे । कार्यक्रम में जिला मंत्री सोमेश विजय,भाजपा नेता प्रमोद व्यास,जिला महामंत्री पूरन वेद, शहर मंडल अध्यक्ष मनोज तोड़वाल ,जिला संयोजक आईटी मुकेश जैमन,युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष शशिकांत शास्त्री,विस्तारक दिनेश जोशी अगावली, नगर उपाध्यक्ष पवन शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह सुधारन पाड़ा, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष सीताराम गुर्जर ,शहर के पूर्व महामंत्री राजेंद्र विजय, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता सुशील विजय ,युवा मोर्चा कार्यकर्ता कमल हिंदू, बसवा मंडल मंत्री मुकेश मीणा, अनंत गॉड, मेवाराम मीणा ,महिला मोर्चा की जिला महामंत्री गोरा देवी पाटन ,पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष इंद्रजीत प्रभाकर, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता इंद्र सहारा, युवा कार्यकर्ता संदीप शर्मा ,दिनेश गुर्जर आभानेरी व भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

समता आंदोलन समिति ने प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जयपुर गुलाबी टाइम्स

भरतपुर । समता आंदोलन समिति के जिला अध्यक्ष केदार पाराशर ने स्वतंत्रता के 75 वे वर्ष मैं देश के प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर भरतपुर को तीन सूत्री मांग पत्र का ज्ञापन सौंपा है ! ज्ञापन में बताया गया है कि जाति आधारित आरक्षण से है पूरे देश में न्याय न्यायिक प्रशासन विदाई विदाई प्रशासन और लोक प्रशासन लगातार धरा शाही निष्प्रभावी अक्षम लज्जित होता जा रहा है पूरे देश में सभी राज्यों में केंद्र और सार्वजनिक उपक्रम के लगभग 2 करोड़ कर्मठ ईमानदार निष्ठावान और संयोग लोक सेवक पदोन्नति में जातिगत आरक्षण के कारण बार- बार अन्याय प्रताड़ना अपमान और प्रतिष्ठा वअर्थ का भी भारी नुकसान सैनिक पर मजबूर होते रहे हैं पूरा नायक न्यायिक विदाई और लोक प्रशासन जातिगत वैमनस्य की आग में जल रहा है अजा एवं अजजा वर्ग के वंचित एवं और पिछले लोग की इसी वर्ग के संपन्न धनाढ्य सशक्त एवं अगड़े हो चुके चार पांच 65 लोगों के शोषण का शिकार हो रहे हैं ।

सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय को प्रिन्टर भेट

जयपुर गुलाबी टाइम्स

भुसावर। भुसावर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत दिल्ली के गांव नाथू का नगला स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय से सेवानिवृत्त हुए प्रधानाध्यापक अनूप सिंह मीणा विनय विद्यालय परिवार के लिए प्रिंटर बैठकर एक अच्छे शिक्षक का दायित्व निभाया है । राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नाथू का नगला में विद्यालय की आवश्यकता को देखते हुए इस प्रिंटर की विशेष आवश्यकता थी 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए अध्यापक प्रधानाध्यापक अनूप सिंह ने बताया कि उनका विद्यालय परिवार से विशेष स्नेह रहा विद्यालय के लिए एक प्रिंटर की महती आवश्यकता थी । जिसको सेवानिवृत्ति के समय उन्होंने अध्ययनरत छात्र छात्राओं से पूरा करने का अपना संकल्प बताया जिसे आज विद्यालय में पहुंचकर समस्त छात्र एवं विद्यालय परिवार को समर्पित किया।

अभियान से नही मिल रही राहत -चौधरी

जयपुर गुलाबी टाइम्स

जयपुर। राजस्थान जाट महासभा प्रदेश महासचिव मदन चौधरी ने कहा कि गहलोत सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रशासन शहरों संग अभियान को शहरवासियों को राहत की जगह परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान आमजन के पट्टे संबंधी कार्यों को सुगमतापूर्वक करने का संदेश दिया था लेकिन सरकार ने इसकी पूरी तैयारी नहीं की जिसके कारण आमजन को पट्टे के लिए नए-नए नियमों में उलझाकर उनको मानसिक परेशानी दी जा रही है। यही नहीं अब तक 193 शहरों में से 165 में तो जोनल प्लान ही नहीं बनाए गए। ऐसे में पिछले पिछले एक साल से अभियान के लिए की जा रही तैयारियों का असर नजर आ रहा है।

लुटेरी दुलहन दलाल सहित गिरफ्तार: मुसलिम महिला को बताया था हिन्दू

जयपुर गुलाबी टाइम्स

भरतपुर । भरतपुर में एक मुस्लिम महिला को हिन्दू बताकर फर्जी शादी कराने बाली एक गैंग का शहर की कोतवाली थाना पुलिस की एक टीम ने पर्दाफाश करते हुए फर्जी दुल्हन बनी कोलकाता निवासी मुस्लिम महिला सहित गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह गैंग ऐसे परिवारों को अपने चंगुल में फसाते है जो अपने लड़के के लिए रिश्ते की तलाश में लगे होते है। जाल में फंसने के बाद गैंग के लोग पैसे लेकर शादी कराते है और शादी के दूसरे ही दिन दुल्हन गहने और रुपए लेकर फरार हो जाती है। शहर की दही वाली गली में रहने वाले योगेश गोयल के साथ भी पिछले दिनों ऐसी ही वारदात हुई । बताया गया कि 26 दिसंबर को कोलकाता की रहने वाली मसोरा नाम की मुस्लिम युवती को हिदू लड़की किरण बताकर उसकी शादी कराई गई। युवती फिलहाल उत्तराखंड के उधम सिंह नगर में रह रही थी। शादी के लिए योगेश ने 1.25 लाख रुपए दिए। मसोरा (किरण) एक दिन योगेश के घर रही और दूसरे दिन रुपए-गहने लेकर फरार हो गई। मामला दर्ज होने के बाद थानाधिकारी रामकिशन यादव के नेतृत्व में गठित पुलिस की एक टीम उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड गई जहा पुलिस को गैंग के बारे में जानकारी मिली। विश्नोई ने बताया कि गैंग के सदस्य राजू नाम के एक व्यक्ति की बहन की शादी रामपुरा गांव में हुई है। राजू अपनी बहन से मिलने आता रहता था। उसकी मुलाकात वैन ड्राइवर नरेंद्र नाम के व्यक्ति से हुई। राजू ने नरेंद्र को बताया कि उसकी एक रिश्तेदार की लड़की है, जिसकी शादी के लिए वह लड़का देख रहे हैं। इस पर नरेंद्र ने राजू को कहा कि उसकी नजर में उसके एक रिश्तेदार का लड़का है। दोनों में बात हुई और नरेंद्र व राजू ने योगेश के घरवालों और मसोरा की मुलाकात करवाई। रिश्ता भी तय हो गया। रिश्ता तय होने होने के बाद राजू ने योगेश के घरवालों से 50 हजार रुपए ले लिए। 26 दिसंबर को लड़की को भरतपुर लाया गया और उसकी शादी योगेश से करवाई गई। शादी के बाद राजू और उसके साथियों ने योगेश के घरवालों से 75 हजार रुपये और ले लिए। शादी के दूसरे ही दिन दुल्हन भाग गई। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के नाम लुटेरी दुल्हन श्रीमती मासूरा उर्फ किरन मण्डल पत्नि सोने सेक पुत्री कासन मण्डल मुसलमानउम्र 28 साल निवासी वार्ड नम्बर 12 डायमण्ड हबडा थाना डायमण्ड हबडा जिला कोलकाता वेस्ट बंगाल हाल निवासी सूरज का किराये का मकान वार्ड नम्बर 2 ठाकुर नगर थाना कोतवाली रूद्रपुर जिला उधमसिंह नगर उत्तराखण्ड, राकेश कुमार पुत्र दुर्गाराम आर्य उम्र 30 साल निवासी नाथुआखान थाना मुक्तेश्वर जिला नैनीताल उत्तराखण्ड हाल निवासी सांई मन्दिर के पास खेडा थाना कैम्प रूद्रपुर जिला उधमसिंह नगर उत्तराखण्ड, राजू सिंह शाही पुत्र किशन सिंह शाही शाही ठाकुर उम्र 39 साल निवासी धारचूला थाना धारचूला जिला चम्पावत उत्तराखण्ड हाल निवासी किराये का मकान पंकज विष्ठ कुवर कॉलोनी पीली कोठी बडी मुखानी थाना मुखानी हल्द्वानी उत्तराखंड तथा नरेंद्र पुत्र दशरथ प्रसाद वैश्य उम्र 35 साल निवासी मुख्य बाजार थाना सेवर हाल निवासी झीलरा रोड जसवन्त नगर थाना अटलबंद भरतपुर बताये है।

गैर सरकारी विद्यालय में अटल लैब का शुभारंभ

जयपुर गुलाबी टाइम्स

भरतपुर/ महवा। उपखंड मुख्यालय स्थित पथिक पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल मे नीति आयोग द्वारा निर्धारित अटल टिंकरिंग लैब का उदघाटन सेवानिवृत उपनिदेशक डा. प्रेमवती शर्मा, निदेशक यूनिवर्सल पी जी कॉलेज महवा डा. कुलदीप सिंह गुर्जर ,चेयरमैन प्रतिनिधि ब्रजेंद्र सिंह गुर्जर, एवं सेवानिवृत रीजनल मैनेजर गोपाल प्रसाद शर्मा द्वारा किया गया द्य लैब में शिक्षा के नवाचारो का समावेश व आधुनिक तकनीकी एवं नवीनतम कौशल से छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसमें प्रशिक्षित छात्र-छात्राएं अपने प्रोजेक्ट को राज्य स्तरीय अंतरराजीय ओलंपियाड इसरो कंपटीशन डीआरडीओ कंपटीशन में भाग लेंगे इससे आने वाले भविष्य में नए वैज्ञानिकों का मार्ग प्रशस्त होगा।

कार्यक्रम में प्रशिक्षक पवन शर्मा व रमाकांत शर्मा ने छात्र-छात्राओं को इनोवेशन के बारे में जानकारी दी छात्रों की ओर से निर्मित प्रोजेक्टों का प्रदर्शन किया गया जिसमें कई प्रकार के सेंसरो से युक्त इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियां डोरबेल रॉकेट लॉन्चर दूरबीन से आकाशगंगा का निरीक्षण आदि मॉडल प्रस्तुत किए गए । इस दौरान विद्यालय निदेशक बने सिंह गुर्जर व अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को लैब का पूर्ण सदुपयोग करने का आह्वान किया । इस मौके पर प्रधानाचार्य श्री लोकेश अवस्थी, सूरजमल गुप्ता ,पंकज जोशी , दुल्हराम गुर्जर, हंसराम गुर्जर, कुंवर सिंह गुर्जर ,रामगोपाल शर्मा अन्य मौजूद रहें।

विचार-मंथन

अवकाश के दिन

छुट्टियों का प्रावधान इसलिए किया गया कि लोग रोजमर्रा की भागदौड़ से फुरसत पाकर अपने ढंग से जीवन बिता सकें, अपने पर्व-त्योहारों पर उल्लास मना सकें। मगर हमारे देश में अवकाश को बहुत सारे लोगों ने कानूनी अधिकार मान लिया है, तो कई लोग इसे लेकर राजनीतिक रोटियां भी सेंकने का प्रयास करते देखे जाते हैं। कई राज्यों में बहुत सारी छुट्टियां इसलिए अनावश्यक रूप से सूची में शामिल होती गई हैं कि उन्हें राजनीतिक दलों ने किन्हीं वर्गों की भावनाओं को अपने पक्ष में करने की गरज से लागू किया या कराया था। इस तरह अब एक परंपरा-सी बनती गई है कि कोई न कोई वर्ग अपने किसी नेता, संत या किसी पौराणिक चरित्र के नाम पर अवकाश की मांग करने लगता है। कई लोग किसी ऐतिहासिक या पौराणिक महत्त्व के दिन को सरकारी अवकाश की सूची में शामिल करने की मांग लेकर आंदोलन चलाते देखे जाते हैं। ऐसी ही मांग दादरा और नगर हवेली दिवस के नाम पर अवकाश करने को लेकर उठी थी। इस पर बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि अवकाश किसी के कानूनी अधिकार नहीं होते। वैसे ही हमारे पास इतने अवकाश हो चुके हैं कि अब उन्हें कम करने का समय आ गया है। हालांकि नए अवकाशों की मांग के समांतर अवकाशों में कटौती की मांग भी अक्सर उठती रहती है, क्योंकि इसके चलते सरकारी कामकाज का काफी नुकसान होता है। बंबई उच्च न्यायालय की टिप्पणी भी उन्हीं लोगों के पक्ष में खड़ी नजर आती है। दरअसल, कई जगह सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाले अर्जित अवकाश, स्वास्थ्य अवकाश, आकस्मिक और साप्ताहिक अवकाश तथा पर्व-त्योहारों के लिए घोषित अवकाश के दिनों को जोड़ कर साल के करीब आधे दिन हो जाते हैं। यानी कर्मचारी साल के बजाय करीब छह महीने ही काम पर रहते हैं। कई बार तो ऐसा होता है कि पर्व-त्योहारों की छुट्टियां और साप्ताहिक अवकाश इस कदर आपस में नत्थी हो जाते हैं कि हफ्ते में एकाध दिन ही दफ्तर खुल पाते हैं। इस तरह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं कि जिन्हें किसी सरकारी दफ्तर से जरूरी कागजात हासिल करने हों या कोई बहुत आवश्यक कार्य हो, उन्हें कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ता होगा।

इस तरह खुद सरकार के कामकाज की गति कितनी धीमी पड़ जाती होगी। सरकारी शिक्षण संस्थानों में तो इन अवकाशों के चलते बच्चों का पाठ्यक्रम पूरा कराना कठिन हो जाता है। इसलिए अनावश्यक अवकाशों में कटौती की मांग बेवजह नहीं कही जा सकती। मगर लगता नहीं कि कोई सरकार इस पर गंभीरता दिखाएगी। अवकाश देने के पीछे वैज्ञानिक आधार है। इस पर कई अध्ययन हो चुके हैं। अवकाश मुख्य रूप से इसलिए दिए जाते हैं, ताकि कर्मचारियों को हफ्ते भर के कामकाज की भाग-दौड़ और शारीरिक-मानसिक थकान से मुक्ति मिल सके और वे नई ऊर्जा के साथ फिर काम पर लौट सकें। पर्व-त्योहारों पर अवकाश लोगों की आस्था आदि के मद्देनजर तय किए जाते हैं। मगर सरकारी महकमों में अवकाश को कानूनी अधिकार की तरह स्थापित कर दिया गया है। फिर राजनीतिक दलों ने वोट की राजनीति के चलते जो अनेक छुट्टियां सूची में जोड़ या जुड़वा दी हैं, उनका कोई तार्किक आधार समझ नहीं आता। शायद ही कोई समुदाय ऐसा हो, जिसके कम से कम एक नेता या महापुरुष की जयंती पर अवकाश न होता हो। अपने महापुरुष के प्रति आदर, सम्मान अच्छी बात है, पर उसके लिए अवकाश घोषित कर देश की तरक्की में बाधा पैदा करना तर्कसंगत नहीं जान पड़ता।

आज का राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आत्मविश्वास में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मन अशान्त रहेगा। नौकरी में अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र की स्थिति में सुधार रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। मन परेशान रहेगा। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : मानसिक शांति रहेगी। नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के अवसर भी मिल सकते हैं। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। माता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। धैर्यशीलता में कमी आयेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : मन परेशान हो सकता है। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सुधार होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : संयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। पारिवारिक जीवन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में कुछ बदलाव हो सकता है। क्रोध की अधिकता रहेगी। भवन सुख में वृद्धि हो सकती है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, लेकिन क्रोध से बचें। पारिवारिक समस्याओं का निवारण होगा। शैक्षिक कार्यों में सुधार होगा। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा के भाव रहेंगे। खर्चों की अधिकता रहेगी।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। मन अशान्त रहेगा। मानसिक तनाव हो सकता है। क्रोध के अतिरेक से बचे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : मानसिक शांति तो रहेगी, लेकिन धैर्यशीलत बनाए रखने का प्रयास करें। वाहन सुख में वृद्धि होगी। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। मन में शान्ति एवं प्रसन्नता के भाव रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : घर-परिवार में मांगलिक कार्य हो सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मसंयत रहें। मन अशान्त रहेगा। वाहन सुख में कमी आएगी। पारिवारिक सुख में कमी आएगी।

विषमता भरे समाज की दुश्वारियां

जबकि हर नागरिक विकास में योगदान करने की क्षमता रखता है, तो फिर क्यों न उसकी क्षमता का उपयोग किया जाए। अगर हम ऐसा कर पाए तो भारत को दुनिया में सबसे अधिक असमानता वाले देशों की सूची से बाहर निकालने के प्रयास में सफल हो सकते हैं। सवाल है कि यह गैर-बराबरी प्रकृति प्रदत्त है या मानव निर्मित? और यह गैर-बराबरी क्यों और किसलिए है? अगर गैर-बराबरी विकास के लिए जरूरी है तो कई दशकों से असमानता का सामना कर रहे देशों को तो अब तक विकसित देशों की सूची में शामिल हो जाना चाहिए था! यह एक तथ्य है कि असमानता कभी विकास की पूर्व शर्त नहीं हो सकती।

समाज या देश का समग्र विकास प्रत्येक नागरिक को प्राप्त समान अवसरों पर निर्भर करता है, चाहे शिक्षा हो, राजनीति, स्वास्थ्य, संसाधन, आर्थिक संपन्नता या कुछ और। असमानता में वृद्धि अनेक सामाजिक समस्याओं में वृद्धि के लिए जिम्मेदार है, जैसे निर्धनता, बेरोजगारी, अपराध, पारिवारिक तनाव आदि। इसलिए इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। फ्रांसीसी अर्थशास्त्री थामस पिकेटी ने अपनी पुस्तक कैपिटल ऐंड आइडियोलाजी में सहभागी समाजवाद की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए कहा कि अर्थव्यवस्था में भाग लेने की शक्ति हर किसी के पास है। वह यह भी तर्क देते हैं कि श्रमिकों को अपनी कंपनियों के संचालन में अधिक सहभागिता करने में सक्षम होना चाहिए, चाहे उनका पूंजी में हिस्सा हो या नहीं। पर हम एक ऐसे विश्व में रहते हैं, जहां नीचे की आधी आबादी को विरासत में कोई संपत्ति नहीं मिलती, जबकि कुछ आबादी को लाखों या अरबों की संपत्ति मिलती है। इतिहास साक्षी है कि आर्थिक समृद्धि के लिए शिक्षा में निवेश और असमानताओं में कमी करना महत्त्वपूर्ण कदम हैं। ऐसे किसी भी देश/ समाज में जहां धन, संसाधन और शक्ति का असमान वितरण हो, वहां से संस्थागत असमानता को मिटाने के लिए आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता होती है। भारत जैसे देश में तो यह और भी जटिल हो जाता है, जहां जाति, धर्म, भाषा, लैंगिक, क्षेत्रीय असमानता पहले से ही व्याप्त है। दिसंबर में जारी विश्व असमानता रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत एक गरीब और असमानताओं वाला देश है। इस रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि देश की आय बेहद निचले स्तर पर पहुंच गई है। एक तरफ भारत में शीर्ष दस फीसद आबादी के पास राष्ट्रीय आय का सत्तावन फीसद है, निचले पचास प्रतिशत वर्ग के पास केवल तेरह फीसद हिस्सेदारी है और चालीस प्रतिशत आबादी या कहें कि मध्यवर्ग के पास कुल आय का साढ़े उनतीस प्रतिशत है। अकेले एक प्रतिशत अमीरों की आय देश की कुल आय के बाईस प्रतिशत के बराबर है। इतनी अधिक आर्थिक असमानता समाज में अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक समस्याएं उत्पन्न करती है। जब तक विकास का माडल शिक्षा, स्वास्थ्य और संसाधनों के पुनर्वितरण पर केंद्रित नहीं होगा, तब तक गैर-बराबरी को समाप्त या कम करना असंभव है। रिपोर्ट में यह संकेत भी है कि भारत में महिला श्रमिकों की आय का हिस्सा मात्र अठारह प्रतिशत है। यह एक तथ्य है कि समानता, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश करके ही देश को समृद्ध बनाया जा सकता है, न कि कुछ व्यक्तियों के हाथ में आर्थिक शक्ति केंद्रित होने देकर। इस रिपोर्ट को तैयार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अर्थशास्त्री थामस पिकेटी तर्क देते हैं कि निजी संपत्ति और बाजार शक्तियों का अधिक से अधिक उपयोग विकास प्रारूप और अर्थव्यवस्था को समृद्ध करने में सहायक हो सकता है। उनका दावा है कि भारत के लिए उद्योग जगत को करों में छूट देना काफी नहीं है, बल्कि कोरोना महामारी के कारण उपजे आर्थिक संकट से निपटने के लिए गरीब परिवारों को आय की गारंटी देनी होगी। साथ ही सरकार को सार्वजनिक अधोसंरचना में भी निवेश करना होगा। जबकि हर नागरिक विकास में योगदान करने की क्षमता रखता है, तो फिर क्यों न उसकी क्षमता का उपयोग किया जाए। अगर हम ऐसा कर पाए तो भारत को दुनिया में सबसे अधिक असमानता वाले देशों की सूची से बाहर निकालने के प्रयास में सफल हो सकते हैं। सवाल है कि यह गैर-बराबरी प्रकृति प्रदत्त है या मानव निर्मित? और यह गैर-बराबरी क्यों और किसलिए है? अगर गैर-बराबरी विकास के लिए जरूरी है तो कई दशकों से असमानता का सामना कर रहे देशों को तो अब तक विकसित देशों की सूची में शामिल हो जाना चाहिए था! यह एक तथ्य है कि असमानता कभी विकास की पूर्व शर्त नहीं हो सकती। जैसे एक मनुष्य शरीर और मस्तिष्क दोनों के साथ जन्म लेता है, दोनों का साथ-साथ विकसित होना प्रकृति का नियम है। दोनों में से एक भी भाग के कम या अधिक विकसित होने पर उसे असामान्य व्यक्तित्व की श्रेणी में रख दिया जाता है। यानी शरीर तो विकसित हो गया, पर दिमाग नहीं या दिमाग तो विकसित हो गया पर शरीर वहीं ठहर गया, तो भी समाज उन्हें अविकसित/ असामान्य के रूप में देखता है। इसी तरह समाज या देश का समग्र विकास प्रत्येक नागरिक को प्राप्त समान अवसरों पर निर्भर करता है। चाहे शिक्षा हो, राजनीति, स्वास्थ्य, संसाधन, आर्थिक संपन्नता या कुछ और। अगर ऐसा नहीं होता और केवल कुछ लोगों की संपन्नता या विकास पर ही देश का विकास निर्भर करता, तो विश्व असमानता रिपोर्ट या मानव विकास सूचकांक में हमारा स्थान इतना नीचे नहीं होता। केवल दस फीसद अमीर लोगों को ध्यान में रख कर विकास सूचकांक तय कर दिया जाता। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि असमानता में वृद्धि अनेक सामाजिक समस्याओं में वृद्धि के लिए जिम्मेदार है, जैसे निर्धनता, बेरोजगारी, अपराध, पारिवारिक तनाव आदि। इसलिए इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। समाज वैज्ञानिक पीटर सांडर्स का मत है कि कोई भी समाज कभी पूर्णरूपेण समाजवादी नहीं हो सकता, पर प्रत्येक समाज कुछ ऐसी व्यवस्थाएं विकसित कर सकता है, जिससे सभी समूहों को कुछ लाभ प्राप्त हो। सांडर्स इस दृष्टि से तीन प्रकार की समानताओं की चर्चा करते हैं। पहली औपचारिक या विधिक समानता यानी समाज का प्रत्येक सदस्य समान प्रकार के कानून से निर्देशित हो। दूसरा, अवसरों की समानता यानी प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर प्राप्त हों, वह अन्य लोगों से प्रतियोगिता कर सके, सफल हो सके। तीसरा, परिणामों की समानता यानी अगर प्रत्येक को अपने को सिद्ध करने का समान अवसर प्राप्त हो, तो आगे चल कर इसके परिणाम समाज में समान प्रकार के आने लगेंगे। उनके इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है कि ऐसा करके कुछ हद तक एक सममूलक समाज की स्थापना की जा सकती है। वे यह तर्क भी देते हैं कि शासक वर्ग का एक बहुत बड़ा हिस्सा पूंजी के निजी स्वामित्व के आधार पर अस्तित्व में आया है। इसके साथ ही सफेदपोश श्रमिकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। किसी भी समाज में धन की असमानता का एक महत्त्वपूर्ण कारण शासक वर्ग की शक्ति है। और यह वर्ग पांच से लेकर दस प्रतिशत तक किसी भी समाज में पाया जाता है। यह भी सच है कि शासक वर्ग के अनेक सदस्य अपनी संपत्ति को अपने परिजनों या मित्रों को हस्तांतरित कर देते हैं और इस प्रकार यह संपत्ति एक समूह विशेष का एकाधिकार बन जाती है। जबकि अधीनस्थ वर्ग में मजदूरी और वेतन प्राप्त करने वाली जनसंख्या सम्मिलित होती है। एक बड़ा समूह मध्यवर्ग के रूप में भी उभरा, जो अपने वेतन के एक बड़े हिस्से को बाजार में लगा कर लाभ प्राप्त करने की कोशिश करता है। इस तरह संपत्ति और शक्ति की असमानता का यह दुष्चक्र निरंतर बना रहता है। साथ ही लोकतांत्रिक मूल्यों के ह्रास की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। जब लोकतंत्र को चुनौती मिलती है, तो किस तरह का समाज उभरता है, यह आज के परिप्रेक्ष्य को देख कर समझा जा सकता है। हालांकि आंकड़े मात्रात्मक परिणामों को व्यक्त करते हैं, गुणात्मक विश्लेषण नहीं करते। यानी औसत आधार पर आंकड़े दिए जाते हैं और औसत के आधार पर किसी भी प्रकार के विकास की सही तस्वीर प्राप्त नहीं की जा सकती, क्योंकि आंकड़ों के आधार पर ही नागरिकों के कल्याण के लिए नीतियां बनाई जाती हैं। पर अगर आंकड़े ही भ्रामक हों, तो नीतियों की सफलता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

हादसों के कारखाने

हमारे देश में औद्योगिक इकाइयों में मशीनों, संवेदनशील पदार्थों की ढुलाई आदि करने वाले वाहनों के संचालन आदि को लेकर इस कदर लापरवाही बरती जाती है कि अक्सर हादसे हो जाते हैं। अभी कुछ दिनों पहले मुजफ्फरपुर के एक कारखाने में बायलर फटने से कई लोग मारे गए। अब गुजरात के सूरत में एक टैंकर से जहरीली गैस का रिसाव होने से छह लोगों की मौत हो गई और करीब बीस लोग गंभीर हालत में अस्पतल में भर्ती कराए गए हैं। घटना बुधवार देर रात की बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जहरीली गैस से भरा एक टैंकर नाले के किनारे खड़ा करके उसका चालक कुछ अपशिष्ट बहाने का प्रयास कर रहा था कि गैस का रिसाव हो गया और वहां आसपास के इलाके में सो रहे मजदूर इसके प्रभाव में आ गए। उनमें दम घुटने से छह लोगों की मौत हो गई। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि जिस वाहन में जहरीली गैस भरी हुई थी, उसका चालक या तो अनाड़ी था या फिर जानबूझ कर उसने कोई रासायनिक कचरा चोरी-छिपे बहाने की कोशिश की थी। अगर उसने जानबूझ कर कोई अनुपयोगी हो चुका रासायनिक कचरा निपटाने का प्रयास किया, तो यह न सिर्फ उस चालक, बल्कि उस कारखाना मालिक का भी अपराध है। दरअसल, हमारे यहां औद्योगिक सुरक्षा को लेकर नियम-कायदे इतने ढीले-ढाले हैं कि उनके तहत दोषियों को कठोर सजा नहीं हो पाती। फिर औद्योगिक इकाइयों के मालिक जान-बूझ कर भी औद्योगिक नियमों को ताक पर रखते हैं। बहुत सारे कल-कारखाने सुरक्षा संबंधी नियमों की अनदेखी करते या फिर प्रशासन की मिलीभगत से उन्हें ताक पर रखने का प्रयास करते हैं। उनमें से ज्यादातर का प्रयास होता है कि वे दिहाड़ी और अकुशल मजदूरों से काम निकालें। नियमित और प्रशिक्षित कर्मचारी रखने पर चूंकि अधिक वेतन और भत्ते खर्च करने और कानूनी बाध्यताओं का पालन करना पड़ता है, इसलिए भी वे उन्हें रखने से बचते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि मशीनों का सही ढंग से रखरखाव और संचालन न होने की वजह से अक्सर बड़े हादसे हो जाते हैं। सूरत में जिस टैंकर से गैस का रिसाव हुआ, उसमें भी यही बात हो सकती है। उसका चालक शायद इस बात से अनजान रहा होगा कि जो कचरा निस्तारण करने की जिम्मेदारी उसे सौंपी गई है, वह कितना खतरनाक हो सकता है। कायदे से अनुपयोगी रसायनों का निस्तारण खुले में नहीं किया जा सकता। उन्हें बिना शोधन के नदियों या नालों में नहीं बहाया जा सकता। इसके लिए भारी जुर्माने का प्रावधान है। मगर कारकाना मालिक इस नियम का पालन करते नहीं देखे जाते। संभव है, जिस टैंकर से जहरीली गैस का रिसाव हुआ, उसमें पुराना पड़ चुका रसायन भरा हो और कारखाना मालिक ने टैंकर चालक को चुपके से उसे नाले में बहाने को कह दिया हो। ऐसे औद्योगिक रसायनों की प्रतिक्रिया आदि को लेकर तकनीकी जानकारी अक्सर कारखाना मजदूरों या टैंकर आदि के चालकों को नहीं होती और कई बार वे अपना समय बचाने या काम जल्दी खत्म करने की गरज से जहां-तहां उनका निस्तारण करने का प्रयास करते देखे जाते हैं। इस तरह काफी नुकसान की आशंका होती है। सूरत में गैस रिसाव की वजह से हुई मौतों को सामान्य मानवीय चूक नहीं माना जा सकता। इसके मद्देनजर औद्योगिक सुरक्षा संबंधी नियम-कायदों को और कड़ा करने और कारखाना मालिकों की जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

कितने एकलव्य

एक था एकलव्य। वही, जिसके अंगूठे की कहानी सदियों से सुनते आ रहे हैं। यह प्राचीन कहानी वर्तमान में भी प्रासंगिक लगती है। श्रम की रोटी के लिए तरसने वाला प्राचीन समय में शिक्षा-दीक्षा प्राप्त करने का साहस नहीं कर पाता था। अगर कोई साहस करता तो एकलव्य के अंजाम को प्राप्त होता। यह उस समय का अलिखित संविधान था। जबकि आज के लिखित संविधान में शिक्षा का अधिकार सबके लिए है। बावजूद इसके, कमोबेश आज भी परिस्थितियां वैसी ही हैं। कहते हैं, जब-जब समान अवसर के अंगूठे कट कर गिरे हैं, तब-तब कोई न कोई एकलव्य छल-कपट का शिकार हुआ है। वही परिस्थितियां आज भी हैं। अब एकलव्य नहीं, अनेकलव्य दिखाई देते हैं। सामाजिक पिछापन निरंतर जारी है। स्वाभाविक है, जो सामाजिक रूप से पिछड़े होंगे वे आर्थिक रूप से भी पिछड़े होंगे। वर्तमान में आर्थिक असमानता जिस तेजी से बढ़ रही है, वह दिन दूर नहीं, जब देश को असंतुलित करने वाले अनेक कारक उभर कर आएंगे। वर्तमान में एक नई असमानता दिखती है। वह है- डिजिटल असमानता। यह असमानता भविष्य के लिए खतरे की घंटी साबित हो रही है। अगर डिजिटल मंच पर सौभाग्यशाली के साथ दुर्भाग्यशाली बच्चों को भी समान अवसर मिले, तो वे सामाजिक, आर्थिक रूप से प्रगति कर देश के विकास में हाथ बंटा सकते हैं। आमने-सामने की पढ़ाई से अचानक आनलाइन माध्यम में स्थानांतरित होने से शिक्षा प्रदान करने का स्वरूप बिलकुल बदल गया है। इस आनलाइन शिक्षा को आपातकालीन 'रिमोट टीचिंग' कहा जा रहा है। 'आनलाइन एजुकेशन' और 'इमरजेंसी आनलाइन रिमोट एजुकेशन' में बहुत अंतर है। आनलाइन शिक्षा अच्छी तरह से अनुसंधान के बाद अभ्यास में लाई जा रही है। बहुत से देशों में शिक्षा का यह माध्यम कई दशक से चल रहा है, ताकि पाठ्यक्रम को आनलाइन उपलब्ध कराया जा सके। इसके मुकाबले हमारे देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में इसकी उपलब्धता काफी कम है। अब अगर शिक्षण संस्थानों में आनलाइन शिक्षा आरंभ करनी है, तो उन्हें इस 'रिमोट आनलाइन एजुकेशन' और नियमित आनलाइन पढ़ाई के अंतर को ध्यान में रख कर अपनी तैयारी करनी होगी। आनलाइन शिक्षा पद्धति के लिए घर में एक कंप्यूटर होना चाहिए। टैब या स्मार्टफोन से भी काम चल सकता है। निरंतर बिजली, इंटरनेट आदि की सुविधाएं होनी चाहिए। दूसरी ओर, चाक-चौबंद अध्यापकों की उपस्थिति अनिवार्य है। इतना होने के बावजूद जिस तरह कक्षा में अध्यापकों के समक्ष छात्र बैठे रहते हैं, वैसी स्थिति आनलाइन में नहीं रहती। इसलिए शिक्षण को रुचिकर बनाने वाले संसाधन मुहैया करवाना अनिवार्य बन जाता है। सबसे महत्त्वपूर्ण, शिक्षण सरकारी दिशा-निर्देश के अनुरूप होना चाहिए। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा पहुंचाने के लिए सबसे पहले अध्ययन सामग्री छात्रों तक पहुंचाना चाहिए और इसके बाद आनलाइन वीडियो के माध्यम से शिक्षकों के साथ पारस्परिक विचार-विमर्श किया जा सकता है। आनलाइन शिक्षण चर्चाओं, आभासी कक्षाओं और बातचीत के लिए विस्तारित कक्षा समुदाय बनाया जा सकता है। एक और विकल्प है, जिसमें कक्षा के पाठ्यक्रम को एक वास्तविक समय में रिकार्ड किया जा सकता है और इन कक्षाओं में शामिल न होने वाले छात्रों को पढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह शिक्षा की विस्तृत पहुंच बनाता है। ग्रामीण शिक्षा के लिए ई-लर्निंग प्रौद्योगिकी की जरूरत है। ग्रामीण भारत में आडियो और वीडियो कान्फ्रेंसिंग को शिक्षा प्रणाली का एक प्रमुख हिस्सा बनाना चाहिए। अब दूसरा पक्ष है इंटरनेट उपलब्धता का। देश में डिजिटल विभाजन के चक्कर में लिंग भेद, शहरी-ग्रामीण का अंतर हमें पाताल लोक तक ले जाता है। इन सबके बीच निजी विद्यालयों का आतंक चरम पर पहुंच गया है।

वे मोटी-मोटी फीसें वसूलने के चक्कर में गुणवत्ताहीन आनलाइन शिक्षा उपलब्ध करा रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार इनकी शिक्षा का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि पूरे देश में मात्र कुछ प्रतिशत छात्र आनलाइन शिक्षा को समझ पा रहे हैं। इंटरनेट प्रणाली अभी कुछ छात्रों तक सीमित है। इसका लाभ सभी छात्र उठा नहीं पाते हैं। इंटरनेट गति भी एक बड़ी समस्या है। फिर आज भी कई मध्यवर्गीय परिवारों में स्मार्टफोन जैसी मूल सुविधा उपलब्ध नहीं है। हर शिक्षण संस्थान का अपना शैक्षिक बोर्ड, विश्वविद्यालय है, जिसमें अलग-अलग पाठ्यक्रमों के अनुसार शिक्षा दी जाती है। पाठ्यक्रम की असमानता सबसे बड़ी चुनौती है। कई विषयों में व्यावहारिक शिक्षा की जरूरत होती है। तकनीकी समझ भी सबसे बड़ी चुनौती है, क्योंकि यह शिक्षा प्राप्त करने का नया माध्यम है। आनलाइन शिक्षा में संभावनाओं की बात करें तो आधुनिक युग में इसका उपयोग बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। आने वाले समय में देश में इस शिक्षा प्रणाली के अपार अवसर हैं, इसलिए आनलाइन शिक्षा सोच-समझ कर देने की आवश्यकता है। अन्यथा किसी भी प्रकार का गलत निर्णय डिजिटल समानता के अंगूठे काट कर अनेकलव्यों को जन्म दे सकता है।

सांवलेपन की वजह से बिपाशा ने बचपन में खूब सुने थे ताने

बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु लंबे समय से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। उन्होंने महज 17 साल की उम्र से ही अपना मॉडलिंग करियर शुरू कर दिया था। बिपाशा का जन्म नई दिल्ली में हुआ था और वो बंगाली मूल की हैं। बाद में बिपाशा और उनका परिवार कोलकाता शिफ्ट हो गया था। स्कूली दिनों में बिपाशा काफी अच्छी स्टूडेंट रही थीं, लेकिन मॉडलिंग की दुनिया में आने की वजह से वो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाई थीं। इसका उन्हें मलाल भी है। सिर्फ 16 साल की उम्र में ही बिपाशा ने गोदरेज सिंथॉल सुपरमॉडल कॉन्टेस्ट जीता था और फिर फिल्मों में आईं और कामयाबी हासिल करती गईं। बिपाशा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल कुछ समय पहले लिखा था, जब मैं बड़ी हो रही थी तो मैंने अक्सर सुना कि बोनी, सोनी से ज्यादा काली है। वो थोड़ी सांवली है ना। जबकि मेरी मां भी डस्की ब्यूटी थीं और मैं काफी हद तक उनकी तरह ही लगती थी। मुझे कभी पता नहीं चला कि मेरे रिश्तेदार इस बारे में चर्चा क्यों करते थे।जब में 15,16 साल की थी तब मॉडलिंग शुरू की। मैंने सुपरमॉडल कॉन्टेस्ट जीता था। हर न्यूजपेपर में खबर थी कि कोलकाता की सांवली लड़की विनर बनी। मैंने फिर सोचा कि मेरे नाम का पहला विश्लेषण सांवली क्यों है। फिर मैं न्यूयॉर्क और पेरिस गई मॉडलिंग करने के लिए और मुझे एहसास हुआ कि मेरे स्किन कलर के लिए मुझे यहां ज्यादा काम और ध्यान मिलता है। ये मेरी अलग खोज थी। जब मैं वापस आई तो मुझे फिल्म के ऑफर मिलना शुरू हुए। आखिरकार मैंने अपनी पहली फिल्म की, मैं इंडस्ट्री से पूरी तरह अजनबी थी। अचानक ही मुझे अपना लिया गया और पसंद किया गया। मगर विश्लेषण जुड़ा रहा। सांवली लड़की ने अपनी डेब्यू फिल्म से ऑडियंस को इंप्रेस किया। मेरे ज्यादातर आर्टिकल में मैंने जितना काम किया उससे ज्यादा चर्चा मेरे रंग की थी। मैं इसे नहीं समझ पाई। मेरे ख्याल से सेक्सी एक पर्सनालिटी है ना कि रंग। क्यों मेरे सांवलेपन के चलते मुझे बाकी एक्ट्रेस से अलग समझा गया। मुझे ज्यादा फर्क नहीं समझ आता मगर लोग बनाते हैं। यहां एक मानसिकता है खूबसूरती की और कैसे एक एक्ट्रेस को दिखना और बिहेव करना चाहिए। मगर मैं अलग थी। इसने मुझे कभी वो करने से नहीं रोका जो मुझे पसंद है। मैं कॉन्फिडेंट थी जो मैं ब चपन से हूं। मेरा स्किन कलर मुझे डिफाइन नहीं करता। मुझे ये पसंद है और मैं इसे नहीं बदलना चाहती। पिछले 18 सालों में कई बड़े बजट के सारे स्किन केयर एंडोर्समेंट मुझे ऑफर हुए थे, मगर मैं अपने सिद्धांत पर अड़ी रही। इसे रोकने की जरुरत है। ये एक झूठा सपना है जिसे हम बेच रहे हैं। कि सिर्फ फेयर ही लवली है और खूबसूरत। जबकि देश की ज्यादातर जनसंख्या सांवली है। ये ब्रांड का बड़ा फैसला है और बाकियों को भी इसे अपनाना चाहिए। बिपाशा बसु ने दो फिल्मों को ठुकराने के बाद साल 2001 में आई फिल्म अजनबी से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में नेगेटिव रोल प्ले करने के बावजूद उन्हें काफी सराहना मिली।

दक्षिण फिल्मों के सुपरस्टार महेश बाबू हुए कोरोना से संक्रमित

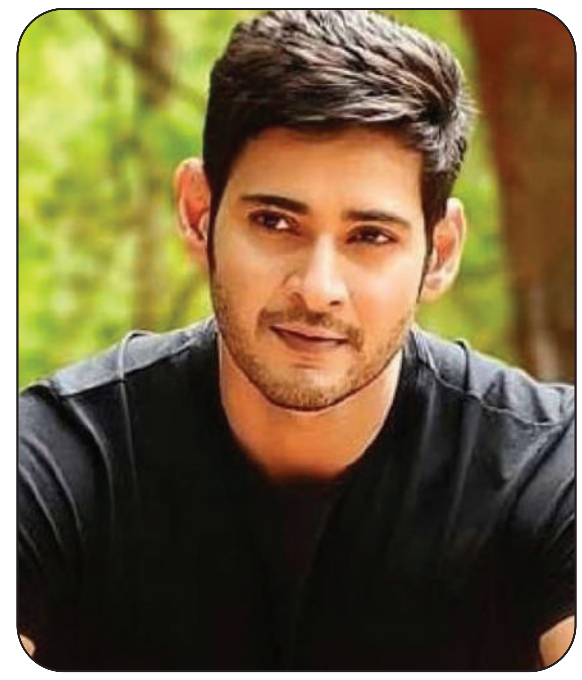

तेलुगु फिल्मों के सुपरस्टार महेश बाबू ने बृहस्पतिवार को बताया कि वह कोविड-19 की जांच में संक्रमित मिले हैं। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर घोषणा की और कहा कि उनमें कोविड-19 के हल्के लक्षण हैं। हैदराबाद। तेलुगु फिल्मों के सुपरस्टार महेश बाबू ने बृहस्पतिवार को बताया कि वह कोविड-19 की जांच में संक्रमित मिले हैं। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर घोषणा की और कहा कि उनमें कोविड-19 के हल्के लक्षण हैं और 'सभी जरूरी एहतियात बरतने के बावजूद' वह संक्रमित हो गए। एक पोस्ट में, महेश बाबू ने कहा कि वह घर में पृथक-वास में हैं और उचित चिकित्सा निर्देश का पालन कर रहे हैं। अभिनेता ने अपने पोस्ट में कहा, मेरे संपर्क में आने वाले सभी लोगों से अनुरोध है कि वे अपनी जांच कराएं। मैं उन सभी से शीघ्र टीका लगवाने का आग्रह करता हूं जिन्होंने अपना टीकाकरण नहीं कराया है,क्योंकि यह गंभीर लक्षणों और अस्पताल में भर्ती होने के जोखिम को कम करता है। कृपया कोविड मानदंडों का पालन करें और सुरक्षित रहें। वापस आने का बेसब्री से इंतजार।

लाल रंग की ब्रा पहकर डेट पर निकलीं रामानंद सागर की परपोती

तस्वीरों में साक्षी ने रेड कलर के बिकिनी टॉप के साथ रेड कलर का जॉगर पहना हुआ है। उन्होंने रेड कलर की जैकेट के साथ अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। लाल रंग के इन कपड़ों में साक्षी बेहद ही हॉट लग रही थीं।धारावाहिक रामायण के प्रसिद्ध डायरेक्टर रामानन्द सागर की परपोती साक्षी चोपड़ा एक बार फिर से अपने बोल्ड लुक्स की वजह से सुर्खियों में आ गईं हैं। उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रहीं हैं। साक्षी चोपड़ा हद से ज्यादा हॉट कपडे पहनकर मुंबई की सडकों पर घूमती दिखी। लेकिन लोगों को उनका इस तरह के कपड़े पहनकर सडकों पर घूमता बिलकुल रास नहीं आ रहा है। इसी लिए उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। फेमस पैपराजी वायरल भयानी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साक्षी की यह तस्वीरें शेयर की। तस्वीरों में साक्षी ने रेड कलर के बिकिनी टॉप के साथ रेड कलर का जॉगर पहना हुआ है। उन्होंने रेड कलर की जैकेट के साथ अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। लाल रंग के इन कपड़ों में साक्षी बेहद ही हॉट लग रही थीं। जहाँ एक तरफ लोग उनकी हॉटनेस के दीवाने हुए जा रहे हैं ।

नोरा फतेही से रिलेशनशिप की खबरों पर गुरु रंधावा ने तोड़ी चुप्पी

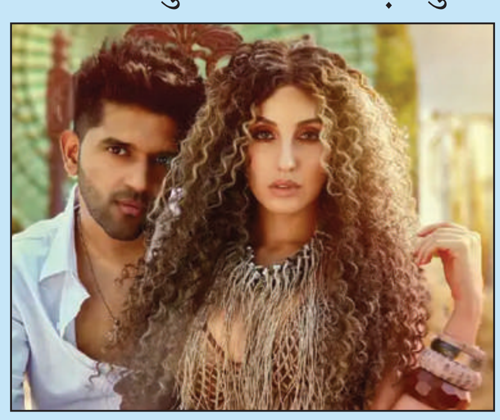

सिंगर गुरु रंधावा इन दिनों अपने वीडियो सॉन्ग डांस मेरी रानी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस गाने में उनके साथ एक्ट्रेस नोरा फतेही भी डांस करती नजर आईं हैं। इस गाने के रिलीज होने के बाद से ही गुरु और नोरा के रिलेशनशिप में होने की खबरें सामने आने लगी हैं। अब हाल ही में दैनिक भास्कर से खास बातचीत में गुरु ने नोरा से अपने रिश्ते के बारे में खुलासा किया है। साथ ही उन्होंने डांस मेरी रानी और अपनी जर्नी से जुड़ी कई बातें भी शेयर की हैं। मैंने पहले भी नोरा के साथ काम किया है और वीडियो बहुत अच्छे बन कर निकले। नोरा एक अच्छी दोस्त की तरह हैं और सच कहूं तो हमारे रास्ते में कोई अफवाह नहीं आती है। वह अपने काम पर ध्यान देने वाली एक प्रतिभाशाली कलाकार हैं। उनके साथ काम करना हमेशा खुशी की बात होती है। और मुझे खुशी है कि हमें फिर से काम करने और उनसे कुछ नया सीखने का मौका मिला। हमारा गाना डांस मेरी रानी निश्चित रूप से लोकेशन से लेकर कास्टिंग, डायरेक्शन और सिनेमैटोग्राफी तक एक टीम वर्क है और मुझे खुशी है कि हमने सभी कठिनाइयों के बीच इसे शूट किया और बेहतर रिजल्ट दिया।

कपिल शर्मा को नशे में ट्वीट करना पड़ा था महंगा चुकाने पड़े थे 9 लाख रुपये

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा को आज कौन है, जो नहीं जनता होगा। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर और कॉमेडी के लाखों दीवाने हैं। कपिल सालों से लोगों को अपनी कॉमेडी से हंसाने और गुदगुदाने का काम करते आ रहे हैं। अब कपिल शर्मा फैन्स को हंसाने के लिए जल्द ही अपना पहला स्टैंड अप कॉमेडी शो लेकर आ रहे हैं। इस शो का नाम 'कपिल शर्मा: आय एम नॉट डन येट' है। ये शो नेटफ्लिक्स पर 28 जनवरी को रिलीज होने वाले हैं। कपिल के इस स्टैंडअप कॉमेडी शो का एक टीजर वीडियो सामने आया है, जिसे खुद कपिल ने ट्वीटर हैंडल पर शेयर किया है। इस वीडियो में कपिल मजाकिया अंदाज में अपने एक ट्वीट के बारे में बात कर रहे हैं, जिसकी वजह वो काफी मुश्किल में पड़ गए थे। इस वीडियो में कपिल शर्मा ने बताया कि उन्होंने बीएमसी के खिलाफ एक ट्वीट किया था, जो उनके लिए महंगा पड़ गया था। कपिल ने हंसते हुए कहा कि 'ट्वीट करने के बाद मैं तुरंत मालदीव निकला गया थाज्मैंने कहा कि मुझे ऐसा कमरा दो जहां इंटरनेट ना हो।

नॉटी मूड में संजीदा शेख ने शेयर की हॉट तस्वीर, क्लीवेज पर अटकी फैंस की नजरें

वायरल तस्वीरों में अभिनेत्री ने डीप नैक का जम्पसूट पहना हुआ हैं। जम्पसूट में अभिनेत्री का क्लीवेज साफ नजर आ रहा हैं। लोगों की नजरें अभिनेत्री के क्लीवेज पर अटक गयी हैं। संजीदा की तस्वीरों पर लोग प्यार लुटाते नहीं थक रहे हैं। टेलीविजन की सबसे बोल्ड अभिनेत्रियों में से एक संजीदा शेख अक्सर अपने सेक्सी फिगर और फैशन स्टेटमेंट की वजह से लाइमलाइट में बनी रहती हैं। इन दिनों भी वह सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं और इसका कारण हैं उनकी बोल्ड तस्वीरें जो इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। अभिनेत्री की बोल्डनेस देखकर उनके फैंस और फॉलोवर्स की नींदे उड़ गई हैं। वायरल तस्वीरों में अभिनेत्री ने डीप नैक का जम्पसूट पहना हुआ हैं। जम्पसूट में अभिनेत्री का क्लीवेज साफ नजर आ रहा हैं।

लोगों की नजरें अभिनेत्री के क्लीवेज पर अटक गयी हैं। संजीदा की तस्वीरों पर लोग प्यार लुटाते नहीं थक रहे हैं। कमेंट सेक्शन दिल और आग वाले इमोजी से भर गया है। एक सोशल मीडिया यूजर ने तस्वीरों पर कमेंट करते हुए लिखा, हॉट एंड सेक्सी। एक अन्य ने कमेंट किया, लवली एंड नॉटी। संजीदा शेख ने साल 2005 में धारावाहिक क्या होगा निम्मो का से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। साल 2007 में वह अपने पूर्व पति आमिर अली के साथ नच बलिए 3 में नजर आईं और दोनों ने इस सीजन की ट्रॉफी भी अपने नाम की थी। साल 2014 में अभिनेत्री शो एक हसीना थी में नजर आईं। यह शो उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। पर्सनल लिखे की बात करें तो लम्बे समय तक अभिनेता आमिर अली को डेट करने के बाद 2012 में संजीदा ने उनसे शादी की।

स्वरा भास्कर के बाद कुब्रा सैत को हुआ कोरोना

स्वरा भास्कर के बाद अब हाल ही में एक्ट्रेस कुब्रा सैत भी कोविड पॉजिटिव पाई गई हैं। इस बात की जानकारी कुब्रा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है। पोस्ट में कुब्रा ने लिखा, मेरा कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है, मुझे हल्के लक्षण हैं। पिछले कुछ दिनों में जो भी लोग मेरे संपर्क मे आए हैं, वे अपना कोविड टेस्ट करवा लें। मैं ठीक हूं और घर पर क्वारैंटाइन हूं। आराम कर रही हूं और टीवी देखती रहती हूं। मन को शांत रखें, अधिक मात्रा में तरल पदार्थ का सेवन करें, थोड़ा टीवी और फोन देखें। तो 5-7 दिनों में हम बाय ओमिक्रॉन कह सकते हैं।

छोटा चूहा

छोटा चूहा
नरम नरम सा
भूरा भूरा।
रेशम के धागों से जैसे
बुना हुआ सा।
मोती सी चमकीली आंखें
इसने मुझको काट लिया था।
शायद वो यह भूल गया था
यह भी तो
मेरे कमरे में ही
रहता है।
मेरी ही गुडियों के कपडे
और किताबें –
जातक कथा वेताल पचीसी
और पश्चिम की लोक कथाएं
खा खा कर यह बडा हुआ है
और अभी भी विश्वकोष के
शब्दकोष के पन्नों को
कुतरा करता है
इसी तरह पला करता है।
मेरी नीली साडी क़ा कोना काटा है
नये ट्राउजर्स थे मेरे छेद कर दिया
मेरी नारंगी चुन्नी को
काट खा गया
ना जाने किस रोज शरारे की बारी है ?
जाने दो इतना छोटा है
माफ कर दिया।
तन का जब इतना छोटा है
कहां इसे होगा दिमाग
कि याद रख सके
कौन कहां किसकी चीजे हैं।
केवल अपना पेट पालना
सीख लिया है
लेकिन यह भी क्या कम है सुंदर लगता है।
मेरे लाल गलीचे पर
घूमा करता है।
घूम घूम कर मेरे बहुत उदास दिनों में
एकाकीपन का एहसास
हरा करता है।

बड़ा कौन

एक बार राजा कृष्णदेव राय महल में अपनी रानी के पास विराजमान थे। तेनालीराम की बात चली, तो बोले सचमुच हमारे दरबार में उस जैसा चतुर कोई और नहीं है इसलिए अभी तक तो कोई उसे हरा नहीं पाया है।

यह बात सुनकर रानी बोली, आप कल तेनालीराम को भोजन के लिए महल में आमंत्रित करें। मैं उसे जरूर हरा दूंगी। राजा ने मुस्कुराकर हामी भर ली। अगले दिन रानी ने अपने अपने हाथों से स्वादिष्ट पकवान बनाए। राजा के साथ बैठा तेनालीराम उन पकवानों की जी-भरकर प्रशंसा करता हुआ खाता जा रहा था। खाने के बाद रानी ने उसे बढ़िया पान का बीड़ा भी खाने को दिया।

तेनालीराम मुस्कराकर बोला, 'सचमुच, आज जैसा खाने का आनंद तो मुझे कभी नहीं आया!'

तभी रानी ने अचानक पूछ लिया, 'अच्छा तेनालीराम एक बात बताओ। राजा बड़े हैं या मैं?

अब तो तेनालीराम चकराया। राजा-रानी दोनों ही उत्सुकता से देख रहे थे कि भला तेनालीराम क्या जवाब देता है। अचानक तेनालीराम को जाने क या । सूझी, उसने दोनों हाथ जोड़कर पहले धरती को प्रणाम किया, फिर एकाएक जमीन पर गिर पड़ा। रानी घबराकर बोली, 'अरे-अरे, यह क्या तेनालीराम?' तेनालीराम उठकर खड़ा हुआ और बोला 'महारानीजी, मेरे लिए तो आप धरती हैं और राजा आसमान! दोनों में से किसे छोटा, किसे बड़ा कहूं कुछ समझ में नहीं आ रहा है! वैसे आज महारानी के हाथों का बना भोजन इतना स्वादिष्ट था कि उन्हीं को बड़ा कहना होगा इसलिए मैं धरती को ही दंडवत प्रणाम कर रहा था।' सुनकर राजा और रानी दोनों की हंसी छूट गई। रानी बोली 'सचमुच तुम चतुर हो तेनालीराम। मुझे जिता दिया, पर हारकर भी खुद जीत गए।' इस पर महारानी और राजा कृष्णदेव राय के साथ तेनालीराम भी खिल-खिलाकर हंस दिए।

हाथी भैया का ब्याह

चूहे के छोटे से बिल में,
चार–चार हाथी घुस आए।
डर के मारे बिल के सारे,
चूहे बहुत–बहुत घबराए।

तब चूहों के 'मुखिया दादा',
सभी हाथियों पर चिल्लाए।
'बहू बेटियों वाले घर में,
बिना इजाजत क्यों घुस आए'
हाथी बोले, बहू बेटियों,
को हम ढेरों तोहफे लाए।
बचा एक कुंवारा हाथी है,
दुल्हन, उसे ढूढ़ने आए।
इसी बात पर चूहे दादा,
हुए मुदित, मन में मुस्काए।
प्यारी बिटिया मिस चुहिया को,
सजा धजा कर बाहर लाए।

नाकताम मच्छर

बाल कहानी

बहुत पुराने जमाने की बात है। एक सीधा-साधा किसान था। उसका नाम नाकताम था। उसका विवाह हानदीप नामक लड़की से हुआ था। हानदीप युवा और खूबसूरत थी। वह बहुत सुशील और मीठा बोलने वाली भी थी। दोनों सुखी जीवन बिताने के लिए सादगी से रहते थे और मेहनत करते थे। नाकताम धान के दो-चार खेत निहारता था और शहतूत का खेत देखता था। उसकी पत्नी रेशम के कीड़े पालती। हानदीप वास्तव में आरामतलब और सदा अपनी प्रशंसा की भूखी रहती थी। लेकिन उसने इस बात को अपने पति से छिपाए रखा। उसका पति उस पर बहुत विश्वास करता था और उससे किसी चीज की मांग किए बिना अपना काम करता रहता था। एक बार बसन्त के मध्य में मौत आई और हानदीप को ले गई। नाकताम के दुख की सीमा न रही। उसे दफनाने नहीं दिया। उसने अपना सारा सामान बेच डाला। उससे जो पैसा मिला उससे उसने एक जहाज खरीदा और एक नदी की लहरों पर छोड़ दिया। पत्नी का शव भी अपने पास रखकर बैठ गया। एक दिन सुबह उसने अपने को हरीभरी पहाड़ी के नीचे पाया। वहां फूल की महकभरी हवा बह रही थी। अपने दुखों को भूलकर नाकताम बाहर निकला और पहाड़ी पर चढ़ चला। जब वह चोटी के पास पहुंचा तो वहां वह एक बहुत बुढ़े आदमी को देखकर चौंका। वह बूढ़ा आदमी बांस की लाठी के सहारे खड़ा था। उसके चेहरे पर झुर्रियां पड़ी थीं, किन्तु उसकी मुस्कराहट सूरज की किरण?जैसी थी। उसकी आंखों में बच्चों की आंखों जैसी चमक थी। उसके बाल बादलों की तरह से लहरा रहे थे। उसकी बड़ी-बड़ी पलकों को देखकर नाकताम ने पहचान लिया कि वह दवाओं का देवता है। नाकताम उसके कदमों में गिर पड़ा। देवता उससे प्रसन्न हो गया। 'मैंने अपने पर्वत को यहां रोक दिया है।' उसने कहा, 'मैं तुम्हारे पुण्यों को जानता हूं। यदि तुम चाहो तो मेरे चेले बन सकते हो।'

लेकिन नाकताम तो अपने दुख दूर करना चाहता था। उसने प्रार्थना की कि हानदीप को पुनः जीवित कर दिया जाए, जिससे वह पुनः पहले जैसा जीवन जी सके। 'ठीक है।' देवता ने कहा, 'अगर तुम तकलीफों में ही रहना चाहते हो तो तुम्हारी मर्जी। पर तुम पछताओगे।'

इसके बाद उसने हानदीप को जीवित करने का उपाय बता दिया। उसके बताए हुए तरीके से नाकताम ने अपनी अंगुली का पोरू काटा और तीन बूंद खून हानदीप पर टपका दिया। उसने धीरे-धीरे अपनी आंखें खोलीं, जैसे वह गहरी नींद में सो कर उठी हो। जब वह पूरी तरह से जाग गई तो देवता से उसे समझाया कि नाकताम की सेवा को कभी मत भूलना। इसके बाद वह देवता चला गया। और वे दोनों जहाज में बैठकर अपने घर की ओर चल दिए। जब वे लौट रहे थे तब एक रात को नाकताम खाने की तलाश में समुद्र के किनारे जहाज का लंगर डाल कर चला गया। तभी एक और जहाज उसके पास आकर रुका। वह उससे बड़ा था और खूब सजा-धजा था। उसमें एक व्यापारी बैठा था। उसने हानदीप को देखा तो उसकी खूबसूरती देखकर वह अवाक रह गया। उसने उसे अपने जहाज में एक कप चाय पिलाने के लिए बुलाया। कुछ देर के बाद वह जहाज चला गया। लौटने पर नाकताम ने हानदीप को वहां न पाकर पागलों की तरह खोजा। परन्तु वह फिर उसके हाथ से निकल गई थी। एक माह के बाद उसने उसे ढूंढ़ निकाला, किन्तु हानदीप शान ओ शौकत की आदी हो गई थी। अतः उसने नाकताम से स्पष्ट कह दिया, 'तुम अपने रुखे-सूखे में मस्त रहो।' यह बात उसने बड़ी मीठी आवाज में कही।

इस पर नाकताम ने भी कह दिया, 'जाओ, तुम्हें जहां जाना हो वहां जाओ। मुझसे कोई मतलब नहीं।' मगर जाने से पहले याद रखना कि मैं तुम्हें कभी माफ नहीं करूंगा। मैंने ही तुम्हें दोबारा जिंदा करवाया है।'हानदीप ठहाका लगा कर हंसी, 'तुम समझते हो कि तीन बूंद खून का इतना महत्व है। लो, यह ले लो।' उसने अपनी अंगुली काट कर खून निकाल लिया। पर जैसे ही उसकी अंगुली से तीन बूंद खून निकला, वह गिर पड़ी और मर गई। फिर वह एक मच्छर के रूप में वापस आ गई। और उस आदमी को जीवनभर मनाती रही। कान में भनभनाती रही, क्षमा मांगती रही और तीन बूंद खून की भीख मांगती रही।

पेड़ पौधे भी जानते हैं गणित

अक्सर तुमने अपने गणित के सवाल में कई बार माथ-पच्ची की होगी। ये गणित होता ही कुछ ऐसा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा पेड़ है जो गणित अच्छी से आती है। अचरज हो रहा है ना मजे की बात यह है कि गणित को पेड़-पौधे जानते हैं और वे गणितीय गणना बैठाकर ही अपनी कुछ जटिल समस्याओं को नियंत्रित कर पाते हैं। पेड़ पौधों में गणितीय क्षमता के ज्ञान का पता लगाने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि पेड़-पौधों का गणितीय ज्ञान उनके अंदर ही निहित होता है, उन्हें इसे किसी से सीखने की जरूरत नहीं होती... यही वजह है कि वे रात में भोजन न मिल पाने की स्थिति में भी संभले रह पाते हैं।

वैज्ञानिकों ने अपने इस शोध के परिणाम को जांचने के लिए एराबिडोप्सिस नाम के पौधे को माडल के लिए प्रयुक्त किया। शोध से जुड़े वैज्ञानिकों ने ई-लाइफ जर्नल के द्वारा यह जानकारी दी कि रात में उपभोग किए जाने वाले स्टार्च की मात्रा की गणना पेड़-पौधों द्वारा गुणा-भाग बैठाकर ही की जाती है... इस प्रक्रिया में पत्तियों के रसायन शामिल होते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार पेड़-पौधों को रात में अपने स्टार्च की मात्रा की पूर्ति के लिए एक तरह का गणित लगाना पड़ता है। रात में सूर्य की रोशनी की अनुपस्थिति में पेड़-पौधे कार्बन डाइ-ऑक्साइड को शर्करा और स्टार्च में न बदल पाने के स्थिति से निपटने के लिए कुछ गणितीय गणनाओं के आधार पर अपने स्टार्च के भंडार को नियंत्रित करते हैं। यह प्रक्रिया दो तरह के अणुओं.. स्टार्च के लिए एस अणु और समय के लिए टी अणु की सघनता द्वारा नियंत्रित होती है। रात को जब सूर्य की रोशनी नहीं होती तो पत्तियों में उपस्थित प्रणाली स्टार्च के भंडार का पता लगाती है। वैज्ञानिकों ने अपने इस शोध की परिकल्पना के आधार पर ही यह भी संभवना व्यक्त की है कि इसी विधि के द्वारा ही संभवतया पक्षी भी प्रवास के दौरान वसा के स्तर को संरक्षित रख पाने में सक्षम होते हैं।

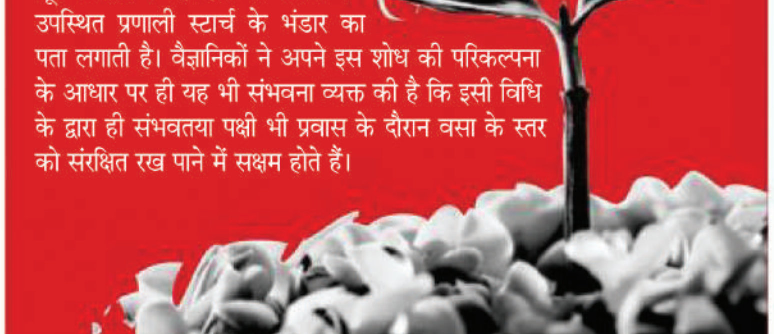

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में सेना और आतंकियों के बीच जारी मुठभेड़ में 3 आतंकवादी मारे गए हैं। आतंकियों से पास से हथियार, गोला-बारूद समेत और भी कई चीजें बरामद की गई हैं। आईजीपी कश्मीर ने इस बारे में जानकारी दी है।

पीट-पीजी में आरक्षण पर एससी का आदेश

ओबीसी का 27 प्रतिशत और ईडब्लूएस का 10 प्रतिशत आरक्षण बरकरार

50 हजार एमबीबीएस डॉक्टरों की भर्ती का रास्ता साफ

■ एंजेसी

नई दिल्ली। नीट-पीजी में आरक्षण को लेकर चले आ रहे विवाद पर आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला दिया है। कोर्ट ने ईडब्लूएस (आर्थिक रूप से कमजोर तबका) के 10 प्रतिशत और ओबीसी के 27 प्रतिशत कोटे को बरकरार रखा है। इसके साथ ही कोर्ट ने त्र और पीजी कोर्सेज के लिए काउंसिलिंग को तुरंत शुरू करने को कहा है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस ए एस बोपन्ना की अगुआई वाली बेंच ने इस साल काउंसिलिंग में ईडब्लूएस कैटेगरी के छात्रों की पहचान के लिए 8 लाख रुपए इनकम का क्राइटेरिया मानने की अनुमति दी है। ईडब्लूएस रिजर्वेशन और ईडब्लूएस कैटेगरी में कौन आएगा इसकी पहचान के लिए मार्च के तीसरे हफ्ते में सुनवाई रखी गई है। एडमिशन को लेकर अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट का रहेगा।

नए नियम के बाद बदल जाएंगे ईडब्लूएस के मानदंड: कोर्ट के मुताबिक, इस साल पुराने नियमों के आधार पर ही एडमिशन दिए जाएंगे। नए नियम के मुताबिक, ईडब्लूएस कैटेगरी में 10 लाख की सालाना आय को मान्य किया गया था, लेकिन पांच एकड़ से ज्यादा कृषि भूमि वाले परिवारों के छात्रों को ईडब्लूएस से बाहर किया गया है, चाहे उनकी सालाना आय कितनी भी हो, लेकिन अब इस मामले पर दोबारा सुनवाई होगी। इससे पहले पिछले हफ्ते हुई सुनवाई में सरकार ने कोर्ट को बताया था कि ईडब्लूएस की पहचान करने के क्राइटेरिया को इस शैक्षिक सत्र में लागू किया जाएगा। सरकार ने कहा था कि ऐसे समय पर जब नीट स्टूडेंट्स के एडमिशन की प्रक्रिया जारी है, नियमों में बदलाव करने से उलझन पैदा होगी। सरकार ने कहा था कि बदले हुए नियम अगले साल से लागू किए जा सकते हैं।

क्या है मामला

कोर्ट ने सरकार से इस बारे में जवाब मांगा था कि जब ओबीसी में क्रीमी लेयर की पहचान के लिए 8 लाख से कम की सालाना आय का स्टैंडर्ड मान्य है, तो इसी को ईडब्लूएस की पहचान का क्राइटेरिया क्यों बनाया गया है। कोर्ट का कहना था कि ओबीसी और ईडब्लूएस श्रेणियों के लिए समान मानदंड कैसे अपनाया जा सकता है, जबकि ईडब्लूएस में कोई सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन नहीं है।

50 हजार डॉक्टरों की होगी भर्ती

नीट-नीजी एक पोस्टग्रैजुएट एग्जाम है जिसमें भाग लेकर डॉक्टर पोस्टग्रैजुएट लेवल की शिक्षा लेते हैं। नीट-पीजी एडमिशन क्लियर होने पर करीब 50 हजार डॉक्टरों की हेल्थकेयर वर्क-फोर्स में भर्ती होगी। कोरोना की तीसरी लहर के दौरान डॉक्टरों की भर्ती होने से बड़ी राहत मिलेगी। नीट-पीजी के एडमिशन में देरी के विरोध में पिछले महीने देशभर के रेजिडेंट डॉक्टरों ने हड़ताल शुरू की थी। सरकार से जल्द एडमिशन शुरू होने का आश्वासन मिलने के बाद डॉक्टरों ने 31 दिसंबर को हड़ताल खत्म कर दी थी।

पीएम की सुरक्षा में चूक पर एससी में सुनवाई

केंद्र और राज्य में घमासान, पंजाब के गृह सचिव पर भी सवाल

बठिंडा में रास्ता बंद होने से हाईवे पर करीब 20 मिनट प्रधानमंत्री का काफिला रुका रहा और पंजाब पुलिस को उन्हें रवाना करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी थी।

- कोर्ट ने सोमवार तक कार्रवाई पर रोक लगाई

■ एंजेसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे पर सुरक्षा में चूक को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र और राज्य सरकार ने एक-दूसरे की जांच कमेटी पर आपत्ति जता दी। केंद्र और याचिका दायर करने वाले एडवोकेट ने इस जांच में एनआईए को शामिल करने को कहा। इधर, पंजाब ने कहा कि उनकी कमेटी पहले ही मामले की जांच कर रही है। इस पर केंद्र ने पंजाब के गृह सचिव को जांच कमेटी का हिस्सा बनाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे खुद जांच के दायरे में हैं। तमाम दलीलों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई सोमवार तक के लिए टाल दी है। साथ ही कोर्ट ने सोमवार तक केंद्र और राज्य को इस मामले से जुड़ी कार्रवाई रोकने के निर्देश दिए हैं। इसका मतलब है कि सोमवार तक केंद्र और राज्य अपनी जांच के आधार पर किसी अफसर के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकेंगे।

पंजाब सरकार की दलील- कमेटी जांच कर रही: पंजाब की तरफ से एडवोकेट जनरल डीएस पटवालिया ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि घटना के कुछ समय बाद ही सरकार ने जांच कमेटी बना दी है। केंद्र हमारी कमेटी पर सवाल उठा रहा है। पंजाब सरकार ने इस मामले में केस भी दर्ज किया है। इसके बावजूद अपनी नीयत पर सवाल उठाया जा रहा है। उन्होंने भी केंद्र की 3 मेंबरी जांच कमेटी पर आपत्ति जता दी। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट चाहे तो किसी जज को जांच का जिम्मा दे सकती है।

याचिका लगाने वाले की दलील- केंद्र ही करे जांच

सुनवाई में याचिका दायर करने वाले सीनियर एडवोकेट मनिंदर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा से जुड़ा यह मामला लॉ एंड ऑर्डर का नहीं बल्कि एसपीजी एक्ट का है। पीएम भी अपनी इस सुरक्षा को नहीं हटा सकते। ऐसे में राज्य सरकार को इसकी जांच का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के जरिए सबूतों को सुरक्षित कर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में इसकी जांच होनी चाहिए।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा- जांच में एनआईए शामिल हो

केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पीएम की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी थी। इसकी जांच राज्य सरकार नहीं कर सकती। इस जांच में एनआईए को भी होना चाहिए। इस दौरान प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस का नाम भी उठा। उन्होंने सुरक्षा चूक पर गृह सचिव को भी जांच के दायरे में बताया। जिन्हें पंजाब सरकार ने 2 मेंबरी जांच कमेटी में रखा है। ऐसे में वह जांच नहीं कर सकते। केंद्र ने पंजाब पुलिस पर भी सवाल उठाया कि जब वह प्रदर्शनकारियों के साथ चाय पी रहे थे तो वह कैसे सुरक्षा कर सकते थे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने पूछा कि क्या राज्य और केंद्र सरकार मिलकर संयुक्त जांच कमेटी बना सकते हैं? इसके बाद इस केस से जुड़े सभी रिकॉर्ड पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास सुरक्षित रखने के आदेश दिए गए। मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी। तब तक केंद्र और राज्य को अपनी जांच के आधार पर किसी अफसर के खिलाफ कार्रवाई करने से रोक दिया गया है।

केंद्र ने बनाई है 3 मेंबरी जांच कमेटी

पीएम की सुरक्षा चूक के मामले में केंद्र सरकार ने भी जांच कमेटी बना दी है। जिसमें इंटेलिजेंस ब्यूरो के जॉइंट डायरेक्टर बलबीर सिंह, सिक्योरिटी सचिव सुधीर कुमार सक्सेना और स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप के आईजी एस. सुरेश शामिल हैं।

पंजाब सरकार की कमेटी 3 दिन में देगी रिपोर्ट

पीएम के दौरे में सुरक्षा चूक को लेकर पंजाब सरकार ने भी कमेटी बनाई है। इस जांच कमेटी में सेवामुक्त जस्टिस मेहताब सिंह गिल और पंजाब के गृह सचिव अनुराग वर्मा शामिल हैं। यह कमेटी 3 दिन में रिपोर्ट देगी।

पंजाब सरकार नकारती रही, सोनिया ने सीएम से की बात

इस मामले को पंजाब की सीएम चरणजीत चन्नी सरकार लगातार सुरक्षा चूक को नकार रही है। उनका कहना है कि रैली में भीड़ नहीं थी तो पीएम वहां नहीं गए। वहीं, सुरक्षा चूक को लेकर वह केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि, इस मामले में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी सीएम चन्नी से बात की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पूरे देश के हैं, इसलिए जो भी चूक का जिम्मेदार है, उस पर कार्रवाई की जाए।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पुलिस की मुखबिरी के शक में माओवादियों ने 3 युवाओं की हत्या की

■ एंजेसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में माओवादियों ने 3 युवाओं की हत्या कर दी। माओवादियों को इन युवाओं पर पुलिस के लिए मुखबिरी करने का शक था। गुरुवार रात जन अदालत लगाकर माओवादियों ने इस वारदात को अंजाम दिया। मामला जिले के गंगालुर थाना क्षेत्र का है। इस जन अदालत में इलाके के 2-3 गांव के सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

धनबाद जज की हत्या में नया एंगल

धनबाद के जज की हत्या के मामला

- सीबीआई ने कहा- मोबाइल लूट की कोशिश में हो सकती है हत्या, चीफ जस्टिस ने किया खारिज

■ एंजेसी

रांची। धनबाद के जज उत्तम आनंद की हत्या के मामले में अब सीबीआई नए एंगल पर काम कर रही है। सीबीआई ने शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट को बताया, हो सकता है मोबाइल लूट की कोशिश में उनकी हत्या की गई है। जांच अभी भी जारी है। दोबारा से ब्रेन मैपिंग और नारको टेस्ट में भी कुछ नहीं मिला है। और भी कुछ टेस्ट किए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट अभी आने वाली है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा, सीसीटीवी में लूट की कोई घटना दिखाई नहीं दे रही है। जबकि यह स्पष्ट दिखाई दिया कि उन्हें जानबूझकर मारा गया है। मामले की अगली तारीख 14 जनवरी तय की गई है।

यह केस मिस्ट्री ऑफ अनएक्सप्लेंड की ओर बढ़ रहा

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डॉ रवि रंजन ने कहा, सीबीआई की ओर से किसी भी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाना मुश्किल लग रहा है। यह केस मिस्ट्री ऑफ अनएक्सप्लेंड की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। जितना समय अभियुक्तों को मिलेगा, उससे सबूतों को खोजने में उतनी ही दिक्कत होगी।

आरोपियों की दो बार हो चुकी है ब्रेन मैपिंग

हत्या के मामले में दो आरोपी लखन वर्मा और राहुल वर्मा को गिरफ्तार किया गया है। दोनों की दो बार ब्रेन मैपिंग और नारको टेस्ट हो चुकी है, लेकिन अभी तक पुख्ता कारणों का पता नहीं चल पाया है। जज की मौत मामले की चल रही सीबीआई जांच की झारखंड हाईकोर्ट मॉनिटरिंग कर रहा है। हर सप्ताह सीबीआई को कोर्ट में जांच की प्रगति रिपोर्ट पेश करनी पड़ रही है। बता दें, 28 जुलाई को मॉर्निंग वाक के दौरान जज उत्तम आनंद को ऑटो ने टक्कर मार दी थी। इसके बाद अस्पताल ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

हाथ मलता रह गया ड्रैगन

- त्रिंकोमाली में 99 ऑयल टैंक बनाने की डील करेंगे भारत-श्रीलंका, 16 महीने चली सीक्रेट बातचीत- जानिए ये क्यों
- खास34 साल अटका मामला

■ एंजेसी

नई दिल्ली। छोटे देशों को कर्ज के जाल में फंसाने की रणनीति या कहें साजिश अपनाने वाले चीन को भारत ने श्रीलंका में करारा जवाब दिया है। भारत और श्रीलंका अगले कुछ दिन में एक बेहद अहम समझौता करने जा रहे हैं। भारत अब श्रीलंका में करीब 100 साल पुराने त्रिंकोमाली ऑयल फार्म को नए सिरे से बनाएगा। इस फार्म में 99 टैंक हैं। इस इलाके को 'चाइना-बे' यानी चीन की खाड़ी भी कहा जाता है। भारत ने बेहद सीक्रेट डिप्लोमैसी अपनाई और अब श्रीलंका के एनर्जी मिनिस्टर उदय गमनपिला और भारतीय विदेश मंत्रालय ने कन्फर्म कर दिया है कि कुछ ही दिन में भारत-श्रीलंका ऑयल टैंक फार्म डील पर दस्तखत करेंगे। भारत और श्रीलंका के रिश्ते बेहतर नहीं रहे, जितने होने चाहिए थे। इसकी वजह चीन की श्रीलंका में गहरी दखलंदाजी और वहां के धार्मिक समीकरण हैं।

पहले मसला समझते हैं

श्रीलंका के नॉर्थ-ईस्ट में त्रिंकोमाली राज्य है। यहां 99 ऑयल टैंक्स का एक फार्म है। हर टैंक में 12 हजार किलोलीटर ऑयल स्टोर किया जा सकता है। दूसरे विश्व युद्ध के आसपास इसे ब्रिटेन ने बनवाया था। वक्त के साथ ये टैंक्स खराब हो चुके हैं। इन्हें नए सिरे से बनाने के लिए ही भारत-श्रीलंका डील करने करने जा रहे हैं। इसके लिए दोनों देश पिछले साल से बातचीत कर रहे थे। हालांकि, मीडिया में डीटेल्स ज्यादा नहीं आईं। खास बात यह है कि त्रिंकोमाली में चीन का एयरबेस भी है। इसका इस्तेमाल श्रीलंका की एयरफोर्स भी करती है। इस इलाके को 'चाइना-बे' कहा जाता है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने श्रीलंका की लंका इंडियन ऑयल कंपनी को मेंटेनेंस में मदद दी। LIOC साल 2003 से 15 टैंक्स संभाल रही है। 'द हिंदू' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक ऑयल टैंक को तैयार करने पर करीब 20 लाख डॉलर खर्च आएगा। यह पैसा प्राईवेट सेक्टर से आएगा।

परेड का नया पथ, नया स्वरूप: सेंट्रल विस्टा वाले राजपथ पर परेड में पहली बार ड्रोन की फौज भी

- देशभर से चुने आर्टिस्ट भरेंगे देशभक्ति के रंग

■ एंजेसी

नई दिल्ली। इस 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह अद्भुत और अभूतपूर्व होने जा रहा है। आजादी के 75वें वर्ष में हो रहे इस समारोह की सबसे बड़ी खासियत परेड का आयोजन नए राजपथ पर होना है। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत विजय चौक से इंडिया गेट तक राजपथ पर पुनर्विकास के काम हो रहे हैं, जो अंतिम चरण में हैं। विशेष बात यह भी है कि इस बार राजपथ पर पहली बार देशभर से प्रतिस्पर्धा के जरिये चुने गए प्रोफेशनल्स उतरेंगे। टेक्नोलॉजी, स्वदेशी और नवीनता का समावेश करने के लिए 'ड्रोन परेड' का सबसे अनूठा पहलू जोड़ा गया है, जो परेड को यादगार बनाएगा। रक्षा प्रतिष्ठान के अधिकारियों ने भास्कर को बताया कि इस बार गणतंत्र की परेड को गण-गण की परेड बनाने के लिए चार बड़ी पहल की गई हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत परेड के लिए जरूरी हिस्से जैसे राजपथ, उससे सटे लॉन, नहर, पार्किंग एरिया व अन्य हिस्सों का निर्माण पूरा हो गया है। 4 अंडरपास और 8 जन सुविधा केंद्र विकसित किए जाने थे, लेकिन उनका काम पूरा नहीं हो सका है। वह परेड के बाद जारी रहेगा। नहर भी अभी खाली ही रहेंगी, उनमें बाद में पानी भरा जाएगा। राजपथ पर लॉन व नहर के किनारे नए लाइट पोल लगाए गए हैं। परेड के दौरान वीआईपी आवागमन को सुचारू रखने के लिए नहरों पर 16 पक्के पुल बनाए गए हैं। शुक्रवार से नए राजपथ पर टुकड़ों में परेड की प्रैक्टिस शुरू हो जाएगी। 17, 18, 20 और 21 जनवरी को रिहर्सल होगी। 23 जनवरी को पहले की तरह फुल ड्रेस रिहर्सल होगी। कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर अभी फैसला नहीं हुआ है कि नए राजपथ पर कितने दर्शकों को इजाजत दी जाएगी। लेकिन करीब 30 हजार सीढ़ीदार बैंच (ब्लीचर्स) तैयार हैं।

राजपथ पर प्रोफेशनल डांस ट्रूप्स के शो भी होंगे। वंदे मातरम स्पर्धा के जरिए 323 ग्रुप्स के 3,870 कंटेस्टेंट्स में से 500 डांसर्स चुने गए हैं, जो धमाकेदार पेशकश करेंगे। वीरगाथा स्पर्धा के जरिए राष्ट्र नायकों पर गीत, निबंध और कहानियां लिखने वाले 25 युवा विजेता चुने गए हैं।

ड्रोन से दी जाएगी तिरंगे, संविधान और राष्ट्रनायकों को सलामी

परेड के लिए पहली बार 1,000 ड्रोन की फौज तैयार है। इनके जरिये टेक्नोलॉजी का बेजोड़ प्रदर्शन होगा। राजपथ के आकाश पर ड्रोन्स को एक साथ कंट्रोल करने की क्षमता तो दिखेगी ही, 5 मध्य एशियाई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के सामने आकाश में तिरंगे, संविधान और आजादी के अमृत महोत्सव का उद्घोष भी किया जाएगा।

सवा-सवा किमी लंबे कैनवास, युद्ध नायक थीम पर चित्रकारी

नए-नवेले राजपथ को दोनों ओर सवा-सवा किमी के 15 फुट ऊंचे दो कैनवास से सजाया जा रहा है। इन पर युद्ध नायकों और अमृत महोत्सव की थीम पर चित्रकारी की जा रही है। चित्रकारों को चुनने के लिए कलाकुंभ आयोजित किया गया था। कैनवास पर चित्रकारी इतनी अद्भुत है कि लोग इनके सामने सेल्फी लेने का मोह नहीं छोड़ पाएंगे।

खैरथल में एक मात्र रेलवे फाटक जिसका कोई विकल्प नहीं : बड़े हादसों को निमंत्रण देने जैसा फाटक

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

खैरथल। अलवर जिले के सबसे बड़े व्यापारिक केंद्र एवं उत्तर भारत की प्रमुख मण्डी खैरथल में एक मात्र रेलवे फाटक का कोई विकल्प नहीं है। यह फाटक बड़े हादसों को खुला निमंत्रण देने जैसा बन गया है। रात-दिन खतरनाक कैमिकल से भरे टैंकर बीच बाज़ार से गुजरने व जाम में फंसे हुए रहने से यह शहर बारूद के दहाने पर बैठा हुआ है। एक लाख की आबादी और पांच उपखण्डों का केंद्र बिन्दु कहलाने वाले इस शहर की आबादी के बीच एक मात्र रेलवे फाटक और थोड़ी दूरी पर संकरा और विकट घुमावदार रेल अंडर ब्रिज है जो यातायात के भारी दबाव को सहन करने में नाकाफी होने से हर समय जाम के हालातों से जूझता रहता है। ट्रेक्टरों के भी इसी में घुसने से हालात बिगड़ते रहते हैं। जयपुर-दिल्ली मार्ग पर पड़ने वाले इस रूट पर करीब 49 यात्री गाड़ियों के अलावा इतनी ही मालगाड़ी गुजरने से अनुमान लगाया जा सकता है कि रेलवे फाटक कितने समय तक बन्द रहता होगा। जबकि अंडरपास से केवल छोटे वाहनों की आवाजाही हो पाती है वहां भी कोई नियंत्रण नहीं होने से वाहन चालक आपस में घंटों उलझे रहते हैं, कभी कभी आपस में हाथापाई तक की नौबत आती रहती है। इस रेलवे फाटक के विकल्प के तौर पर फाटक संख्या 92 और 91से जुड़ने वाली सड़कों की हालत गंभीर होने तथा फाटक संख्या 94 को विभाग द्वारा बन्द कर दिये जाने से उनका नाम मात्र उपयोग किया जाता है। खैरथल विकास मंच की ओर से सरकार का अनेकों बार ध्यानाकर्षण किए जाने का भी कोई नतीजा नहीं निकला ऐसे में वाहन चालकों को घंटों खड़े रह कर मार्ग प्रशस्त होने की इंतजार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है परंतु राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 से भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में जाने वाले बेइंतहा वाहनों में खतरनाक कैमिकल से भरे टैंकर बीच बाज़ार में खड़े रहने से बड़ी दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण दिये जाने के समान है। सरकार की ओर से बनाए जा रहे बाईपास सड़क पर पड़ने वाले रेलवे फाटक संख्या 94 को कुछ वर्षों से पूर्व बंद कर दिया गया था और अब वहां विशाल रेलयार्ड का निर्माण किये जाने से इसका खुलना संशय में पड़ता दिखाई दे रहा है। प्रशासन इस समस्या से भली भांति परिचित होने के बावजूद भी कोई समाधान नहीं निकला।

नगर पालिका अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर वेतन दिलाने की मांग की

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

रामगढ़ । नगर पालिका क्षेत्र के 52 कोविड-19 सहायकों को 7 माह से वेतन नहीं मिलने से परेशान कर्मचारियों ने आज दूसरी बार एसडीएम कैलाश शर्मा नगर पालिका अधिशासी अधिकारी घमंडी लाल मीणा और ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी अमित राठौड़ को ज्ञापन सौंपकर वेतन दिलाने की मांग की है। कोविड-19 सहायक अध्यक्ष पवन जाटव ने बताया कि हमें कोविड सहायक के रूप में 7 महा हो गया है। हमें आज तक भी वेतन नहीं मिला है हमें हमारा घर चलाना बच्चों को पालना मुश्किल हो रहा है। हमारे द्वारा कोरोना कॉल में घर घर जाकर सर्वे किया गया और लगातार टीकाकरण का कार्य भी किया जा रहा है । हम में से अधिकतर कर्मचारी भरतपुर जयपुर सिरोही धौलपुर सहित दूरदराज के जिलों के रहने वाले हैं और ज्यादातर शादीशुदा कर्मचारी हैं हमें यहां अपना और अपने परिवार का जीवन यापन करना भी मुश्किल हो रहा है। दुकानदार लोग उधार नहीं देते और परिवार वाले कहते हैं कि तुम्हें तनख्वाह मिल रही है अपना खर्चा खुद चलाओ हम कहां से चलाएं। इस बारे में हमारे द्वारा पूर्व में भी एसडीएम कैलाश चंद्र शर्मा को ज्ञापन सौंपा जा चुका है लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिए जाने के कारण आज पुन: एसडीएम कैलाश शर्मा ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी अमित राठौड़ और अधिशासी अधिकारी घमंडी लाल मीणा को ज्ञापन सौंप वेतन दिलाने की मांग की है और बताया कि यदि शीघ्र ही वेतन नहीं मिला तो मजबूरन हमें धरना प्रदर्शन करना पड़ेगा।

जरूरतमंदों की सेवा ही जीवन का उद्देश्य : ओमप्रकाश घूमणा

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

जयपुर। प्रदेश में बढ़ती कढ़ाके की सर्दी को देखते हुऐ जस्टिस फॉर छाबड़ा संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूनम अंकुर छाबड़ा के निर्देश पर संगठन द्वारा प्रदेश भर में लोगों को ठंड से बचाने की मुहिम शुरू की गई है। जिसके चलते भरतपुर संभाग अध्यक्ष व समाजसेवी ओमप्रकाश घूमणा ने आज सिकराय क्षेत्र में गाड़ियों लुहारों, असहाय, जरूरतमंदो तथा रात को फसलों की रखवाली करने वाले सैकड़ो लोगों को कोट, मफलर, टोपे तथा अन्य ऊनी कपड़े वितरित किऐ ! इस अवसर पर घूमना ने बताया कि सर्वसमाज सेवा के साथ जरूरतमंद लोगों एवं बैजुवान जानवरों की सेवा करना ही मेरे जीवन का एकमात्र लक्ष्य है! निस्वार्थ भाव से की गई सेवा आनंदमई और फलदायक होती है!

15 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

अलवर। राजस्थान राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री शंभू सिंह राठौड़ जी के निर्देशों में उपखंड अधिकारी मालाखेड़ा को श्री तरुण शर्मा सहायक प्रशासनिक अधिकारी एवं भजन बैरवा श्री सतीश कुमार शर्मा श्री नवीन कुमार शर्मा जितेंद्र मीणा ओम प्रकाश मीणा रवि कुमार बसवाल आदि सभी मंत्रालयिक कर्मचारी द्वारा 15 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम सौंपा गया!

विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेशाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

अलवर। राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय में संविदा/ प्लेसमेंट संघर्ष समिति के सचिव यश जोशी के नेतृत्व में अखिल राजस्थान लेबोरेट्री टेक्नीशियन कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष श्रीराम मीना को विभिन्न मांगों एवं समस्याओं का ज्ञापन सौंपा । सभी कर्मचारी विगत वर्षों से एवं कोरोना महामारी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्लेसमेंट कार्मिकों ने अन्य सरकारी योजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई लेकिन सरकार ने आज तक हमारे हित के लिए कोई भी सकारात्मक कदम नहीं उठाया है अत: राज्य सरकार द्वारा बनाए जा रहे संविदा कैडर में शामिल करने एवं वेतन भुगतान चिकित्सा विभाग से कराने की मांग कि है प्रदेशाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को कार्मिकों की समस्या के निराकरण के क्रम में पत्र लिख कर अवगत कराया जिसमें ज्ञानेंद्र , राजकुमार यादव , अरुण शर्मा , अरविंद , अनिल ,खेमचंद , सुनील शर्मा , समय सिंह ,यक्ष जोशी , राहुल सैनी , कुशाल भारत सोनी , राजेंद्र पारीक, महेंद्र सैनी , हुकम, जितेंद्र नंदा , छोटा सैनी , रोहित जांगिड़ ,धीरज कुमार सहित अन्य कार्मिक शामिल रहे।

नि:शुल्क शिविर का हुआ आयोजन

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

राजगढ़। कस्बे के ब्राह्मण धर्मशाला में शुक्रवार को लायंस क्लब के तत्वाधान में नि:शुल्क मस्तिष्क, मनोरोग व नशा मुक्ति शिविर का आयोजन हुआ। शिविर संयोजक दुष्यंत सिंह आर्य ने बताया कि शिविर में मनोरोग चिकित्सक डॉ. एसपी सिंह व उनके सहयोगी गौतम ने कुल 36 रोगियों की जांच कर नि:शुल्क दवाएं दी। इस मौके पर क्लब अध्यक्ष संजय राजस्थानी, रीजन प्रशासक खेमसिंह आर्य, एनएल वर्मा, अजय यादव, मदनलाल शर्मा सहित क्लब के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंजाब के मुख्यमंत्री का फूंका पुतला

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

खैरथल। भाजपा मंडल व युवा मोर्चा के सँयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को कस्बे के हेमुकालानी चौक पर पंजाब के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया ।व मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए । इस मौके पर भाजपा नेता व व्यापार समिति अध्यक्ष अशोक डाटा ने कहा की पंजाब सरकार की लापरवाही से देश के प्रधानमंत्री की जान को खतरा उत्पन्न हो गया था । इसके विरोध में भाजपा द्वारा पंजाब के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया है । इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रमिल जसोरिया ,मनीष शर्मा ,पूर्व चेयरमैन सुभाष जांगिड़,अनिल रोघा ,दिलीप पार्षद ,सुरेश गुर्जर ,जयदीप ,टीकमदास चंदवानी ,पूरन चन्द अरोड़ा ,नरेंद्र अग्रवाल ,महेंद्र छाबड़ा समेत युवा मोर्चा के अनेको कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

मेडिकल के विद्यार्थियों के लिए बड़ी सौगात

नवीन मेडिकल कॉलेज के संचालन हेतु अतिरिक्त भूमि के आवंटन के लिए दिशानिर्देश जारी

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

अलवर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता एवं कारागर विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि मेडिकल के विद्यार्थियों के लिए अलवर में एक बड़ी सौगात लेकर आए नवीन मेडिकल कॉलेज के संचालन हेतु अतिरिक्त भूमि के आवंटन के लिए दिशानिर्देश जारी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि अलवर जिले में ईएसआई मेडिकल कॉलेज की शुरुआत के बाद यहां मेडिकल कॉलेज संचालन के लिए अतिरिक्त भूमि आवंटन की प्रक्रिया पिछले लंबे समय से प्रक्रियाधीन थी। जिसको राज्य सरकार ने अमलीजामा पहनाते हुए विभाग के संयुक्त शासन सचिव के एल स्वामी ने नवीन मेडिकल कॉलेज के संचालन हेतु अतिरिक्त भूमि आवंटन के संबंध में पत्र जारी किया है। केंद्रीय कारागृह अलवर जेल की भूमि से संशोधन कर जेल विभाग के नाम से खारिज कर राजस्थान भू राजस्व नियम 1963 के तहत नवीन मेडिकल कॉलेज संचालन हेतु चिकित्सा शिक्षा विभाग को निशुल्क आवंटन किए जाने की राज्य स्वीकृति जारी कर दी है।

ईसरदा बांध परियोजना के तहत अलवर की सात पंचायत समितियो में विभिन्न हेटवर्क्स/ फिल्टर प्लांट के लिए नि: शुल्क राजकीय भूमि आवंटन की स्वीकृति जारी: सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं कारागर विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि अलवर जिले के लोगो को सतही पेयजल उपलब्ध कराने के लिए ईसरदा बांध परियोजना के तहत अलवर की सात पंचायत समितियो व चार शहरो हेतु विभिन्न हेटवर्क्स/ फिल्टर प्लांट के लिए निशुल्क राजकीय भूमि आवंटन की स्वीकृति जारी हो गई है इससे अब अलवर जिले के लोगों को पेयजल सुविधा आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने बताया कि हेटवर्क्स फिल्टर प्लांट हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को निशुल्क आवंटन किए जाने एवं चारागाह की पूर्ति हेतु प्रस्तावित गांव चौसाला तहसील थानागाजी के लिए राजकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि संयुक्त शासन सचिव केएल स्वामी ने बजट घोषणा वर्ष 2021-22 की अनुपालना में ईसरदा बांध से पेयजल सप्लाई हेतु अलवर जिले के लिए 7 पंचायत समितियों एवं 4 शहरों हेतु विभिन्न हेटवर्क्स फिल्टर प्लांट के लिए निशुल्क राजकीय भूमि आवंटन के लिए पत्र जारी किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान के लिए राजस्थान की यह दूसरी बड़ी परियोजना राज्य के अलवर, जयपुर सहित दोसा व सवाई माधोपुर को पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी ।

नप के बाहर भाजपा ने दिया धरना

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

अलवर। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफिले को कांग्रेस सरकार के द्वारा सुनियोजित तरीके से रोक कर जान खतरे में डालना एक निंदनीय कृत्य है। यह आरोप लगाते हुए शुक्रवार को अलवर भाजपा जिलाध्यक्ष संजय नरूका के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद के बाहर धरना देकर विरोध दर्ज करवाया। नेता प्रतिपक्ष सतीश यादव ने कहा कि पीएम की सुरक्षा के साथ जिस तरह की लापरवाही बरती गई है वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। भाजपा ने पंजाब के मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग की है। धरने के दौरान जिला उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता, डॉ. अशोक पाठक, पार्षद सीताराम चौधरी, मनोज चौहान, राजेंद्र सैनी, हरीश अरोड़ा, सीताराम किराड, तरूण जैन, गोरधन सिसोदिया, बनवारी पटेल सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

9.39 लाख कृषि विद्युत उपभोक्ता लाभान्वित, 5.22 लाख किसानों के बिजली बिल शून्य

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

जयपुर। प्रदेश के किसानों को आर्थिक सम्बल प्रदान करने के लिए लागू की गई मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना में सामान्य श्रेणी ग्रामीण- ब्लॉक ऑवर सप्लाई के मीटर्ड एवं फ्लैट रेट कृषि विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली बिलों में 1000 रुपए प्रतिमाह और अधिकतम 12000 रुपए प्रतिवर्ष का अतिरिक्त अनुदान दिया जा रहा हैं। यह अनुदान वर्तमान में दिए जा रहे टैरिफ अनुदान के अतिरिक्त दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना में राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 1450 करोड़ रुपए के अतिरिक्त अनुदान का भार वहन किया जाएगा। इस योजना के लागू होने से प्रदेश में लघु एवं मध्यम वर्ग के किसानों को कृषि बिजली लगभग नि:शुल्क मिल रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना का शुभारम्भ मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा 17 जुलाई, 2021 को किया गया था। योजना बिलिंग माह मई, 2021 से लागू की गई है। राजस्थान डिस्कॉम्स के अध्यक्ष श्री भास्कर ए. सावंत ने बताया की मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना में दिसम्बर माह तक 9 लाख 39 हजार से अधिक कृषि विद्युत उपभोक्ता लाभान्वित हो चुके है और इनको 324 करोड़ रुपए का अतिरिक्त अनुदान प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि योजना के लागू होने के बाद दिसम्बर माह तक 5 लाख 22 हजार कृषि विद्युत उपभोक्ताओं के बिजली बिल शून्य हो गए हैं।

श्री गोवर्धन में पांचवा पौष बड़ा महोत्सव 9 जनवरी को

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

अलवर। श्री गोवर्धन परिक्रमा मंडल के तत्वाधान में पांचवा श्री पोषबड़ा महोत्सव गोवर्धन धाम के कुसुम सरोवर स्थित बंदर वाले बाबा के आश्रम पर 9 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के लिए गोवर्धन भक्तोंका एक दल 8 जनवरी को विवेकानंद नगर के बजरंग टावर से रवाना होगा । मंडल के महामंत्री कमलेश खंडेलवाल ने बताया कि महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है । तैयारियों को पूरा करने में सुरेश अग्रवाल, नरेश भाटिया, मनोज गुप्ता, चंद्र प्रकाश सैनी, दीपक अग्रवाल सहित सैकड़ों भक्त जुटे हुए हैं उन्होंने बताया कि 9 जनवरी को सुबह आश्रम पर सभी गोवर्धन भक्तों के लिए चाय सेवा 10 बजे दानघाटी में श्री गोवर्धन महाराज को पोषबड़े का भोग अर्पित कर हजारों भक्तों के लिए पोष बड़े का भंडारा आयोजित किया जाएगा ।

नवजात बेटियों को बेबी किट का वितरण किया

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

बस्सी। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वधान मैं उप जिला अस्पताल बस्ती के अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत नवजात बेटियों को बेबी किट का वितरण किया गया। इस मौके पर डॉक्टर संतोष मोहन शर्मा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ नितिन जैन, डॉक्टर अनुपमा बत्रा एवं जितेंद्र शर्मा सहित मौजूद रहें।

स्काउट्स गाइड्स रोवर रेंजर ने वैकसीनेशन किया सहयोग

रंगोली द्वारा वैक्सीनेशन के लिए किया जागरूक

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

भरतपुर । हिंदुस्तान स्काउट्स व गाइडस संभाग भरतपुर जिला ऑर्गेनाइजर गाइड्स श्रीमती मधु शर्मा ने बताया कि श्रीमान राज्य संगठन आयुक्त के कार्यालय निर्देशानुसार शुक्रवार को श्री गणेश बाल मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय भरतपुर में छात्र-छात्राओं को वैक्सीनेशन कार्य में स्काउट्स गाइड्स रोवर रेंजर ने सहयोग प्रदान किया एवं स्काउट्स गाइड्स और रेंजर्स द्वारा रंगोली बनाकर वैक्सिंग जागरूकता संदेश प्रदान किया द्य चिकित्सा विभाग से आए रजनी, कप्तान सिंह ,रणवीर सिंयह ,सपना कुमारी ,नीलम स्वामी ,नीतू कुमारी सभी का स्काउट्स गाइड्स , गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया द्य एवं स्वागत किया । श्रीमती मधु शर्मा ने कहा कि कोरोना फिर से अपनी रफ्तार बढ़ा रहा है हमें कोविड-19 की पालना एवं सभी को वैक्सीन लगवानी चाहिए इस समय स्काउट ,गाइड ,रोवर ,रेंजर ने नारे ,निनाद एवं रंगोली के द्वारा वैक्सीनेशन जागरूकता संदेश प्रदान किया इस समय संजीव कुमार तिवारी जिला प्रशिक्षण आयुक्त ने सभी का आभार व्यक्त किया । इस समय कुल 130 वैक्सीनेशन किया गया एवं मास्क एवं सैनिटाइजर 2 गज की दूरी के बारे में प्रकाश डाला।

कोरोना गाइडलाइन की पालना सुनिश्चित करने के लिए एसडीएम ने अधिकारियों की ली बैठक

■ जयपुर गुलाबी टाइम्स

चाकसू । चाकसू उपखंड में लगातार बढ़ रहे कोरोना मरीजों की संख्या को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को उपखंड अधिकारी गोरधनलाल शर्मा ने उपखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की। उपखंड अधिकारी ने ब्लाक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सोम्य पंडित ह से कोरोना वैक्सीनेशन एवं कोरोना से निपटने के लिए की गई तैयारियों के बारे में पूरी जानकारी देते हुए संतोष व्यक्त किया। एसडीएम ने कोरोना नियंत्रण के लिए सरकार द्वारा जारी नवीन गाइडलाइन का शख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। सोमवार को सभी विभाग मिलकर पंचायत समिति कार्यालय से तहसील कार्यालय तक कोरोना जागरूकता रैली निकालने का निर्देश दिया। सोमवार से पुलिस विभाग, नगरपालिका प्रशासन,राजस्व विभाग एवं उपखंड कार्यालय के संयुक्त प्रयास से जगह जगह बैरिकेडिंग लगाकर लोगों को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए समझाइश करेंगे एवं उलंघन करने पर नियमानुसार चालान बनाएंगे। उपखंड अधिकारी चाकसू गोरधनलाल शर्मा ने बताया कि लोगों में कोरोना को लेकर भय पैदा नहीं हो बल्कि बचाव के लिए प्रेरित करते हुए जागरूकता पैदा करने का प्रयास करें। उपखंड स्तर पर कोरोना से निपटने के लिए लगभग 50 ऑक्सीजन गैस सिलेंडर नियमित भरने की क्षमता उपलब्ध है। चाकसू में 30 एवं कोटखावदा में 15 ऑक्सीजन बैंड की सुविधा उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर लगभग 169 ऑक्सीजन कंस्ट्क्टर उपलब्ध है। हमारी वैक्सीनेशन की दर प्रथम डोज की 110 प्रतिशत है तो द्वितीय डोज की 70 प्रतिशत से अधिक है। 15 से 18 आयु वर्ग के बालकों की वैक्सीनेशन क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता है। आवश्यकता के अनुसार दवाइयां एवं मेडिकल स्टाफ भी उपलब्ध है। जनता की सुविधा एवं सेवा के लिए तीन स्थानों पर कोरोना कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। इसलिए जनता की कोरोना से पूरी सुरक्षा के लिए आश्वस्त करें। एसडीएम शर्मा ने बताया कि कोरोना का नया वैरियंट इतना घातक नहीं है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक एडवोकेट अर्जुन रणिजवाल, के लिए एम. बी. प्रिंटर्स, एफ 76 ए, करतारपुरा इण्ड्रस्ट्रीयल एरिया, बाईस गोदाम, जयपुर से मुद्रित व 52 फीट हनुमान मन्दिर, आगरा रोड़, जयपुर से प्रकाशित। सह सम्पादक रामराय शर्मा ,मोबाइल:- 01429-234937